जीवित परमेश्वर की सच्ची कलीसिया की पांच निश्चित पहचाने

धन्यवाद, भाई नेविल, प्रभु आपको आशीष दे। आज रात्रि यहां पर होना निश्चय ही एक सौभाग्य है। मैं बहुत ही प्रसन्न हूं कि परमेश्वर ने हमें यह करने की अनुमति दी है। मैं कैमरों से थोड़ा सा झिझकता हूं। मैं चाहता... कर लीजिये, ले लीजिए। यह ठीक है। मैं उन्हें देखता हूं। मैं उनके लिए सचेत हूं। और यह ठीक है। यह ठीक है। अब, बल्कि यह गर्म है। हमारे पास प्रभु से दो जोरदार संदेश हैं। और अब मैंने सोचा, आज रात्रि, यह देखते हुए कि...

2 यहां पर मेरे बहुत से मित्रों को बहुत दूर तक गाड़ी चलानी है, उनमें से बहुत से वहां नीचे कैंटकी से हैं। देखिए भाई वेल्च ईतान और उनका परिवार यहां विफटोन, जॉर्जिया से हैं। मैं यहां केलिफोर्निया के लोगों से मिला हूं। यहां पर बहुत से जर्मनी और विभिन्न स्थानों से, इस छोटे से स्थान में प्रभु की सेवा में आए हैं। और मैं बहन नैली कोक्स को देखता हूं। और मैं विश्वास करता हूं कि उनकी सास और वे यहां पर हैं। जो कि, शायद आज रात्रि बहुत मीलों वापस जाएंगे, केन्टकी, जॉर्जिया, नीचे टेनेसी, वहां ओहियो में, मेरे मित्र यहां पर है। एक मित्र यहां हैं, भाई टेड डूडले, वहां दूर फिनिक्स, एरीजोना से। और बहुत सारे यहां पर हैं, यदि मैं उनके नामों को पुकार सकता, तो मैं आज यहां कर हम मिलते है। उनमें से नब्बे प्रतिशत के मैंने उनके हाथ भी नहीं छुये। मैं अपने मित्र को शिकागो से देखता हूं, और बस चारों ओर। यहां पर कितने लोग नगर के बाहर से हैं, अपने हाथ खड़े करें। अब सभा के नब्बे प्रतिशत, यह भिन्न–भिन्न मित्रों से भिन्न–भिन्न स्थानों राष्ट्र में चारों ओर से तैयार हुआ है।

3 आज प्रातः मैंने देर तक प्रचार किया, एक तीस तक बीमारों के लिए प्रार्थना की, इसलिए मेरा गला थोड़ा सा खड़खड़ा रहा है। और मुझे एक प्रकार से थोड़ी देर प्रचार करना है कि अंदर प्रवेश करें, जिसे पहले हम दूसरा गेयर कहते हैं।

4 यहां भाई ली वायल है, उनसे हाथ मिलाने से अधिक और कुछ नहीं; बैपटिस चर्च, ओहियो के मेरे साथी हैं।

5 बेन, क्या तुम हो? [भाई बेन ब्रेन्ट कहते है, "आमीन।"—सम्पा।] मैंने अभी भी आपको "आमीन," कहते नहीं सुना, या मैं आपको जानता हूं। भाई बेन को सब जानते हैं। और मैं जानता हूं कि वह नगर से बाहर हैं, इसलिए मैं नहीं जानता... कि आप अब कहां से हैं, भाई बेन? ["भाई, हम वहां उत्तरी बोर्डन इंडियाना से है।"] बोर्डन, इन्डियाना।

6 हम यहां पर हर एक को पाकर प्रसन्न है। और अब मैं आपको अधिक देर तक नहीं रोकूंगा, क्योंकि आपको गाड़ी चलाकर मीलों दूर जाना है। इच्छा थी कि आज रात्रि मैं आप में से हर एक को घर ले जा सकता। वास्तव में मेरा यही अर्थ है। तीन बजे निकलना है, प्रातः तीन और चार के बीच में, और मैं—मैं चाहता हूं कि आप को भी साथ ले जा सकता। मैं देखता हूं कि मेरा मित्र आरकनसास से है, उसकी पत्नी। क्या वही व्यक्ति नहीं जब हम... प्रभु बोला और यह सब बातें यहाँ पर बताई, उस रात्रि में? मैंने सोचा आप थे। जैसे ही मैं चारों ओर देखता हूं, आप देखते है कि नए और पुराने मित्र। इसलिए, प्रभु मेरे हृदय की इच्छा को जानता है, कि मैं आप लोगों से मिलना चाहता हूं, और अपने संग घर ले जाना चाहता हूं और अच्छी–अच्छी बातें। परंतु एक दिन हम यह करेंगे, जहां हमें यह नहीं कहना पड़ेगा, कि, "हमें जल्दी–जल्दी करना है। बालकों को लेना है। कोई बीमार है।" तब यह सब समाप्त हो जाएगा, उस महान दिन में। मुझे आशा है कि हम बहुत सी बार मिले हैं।

7 अब, यह मेरी इच्छा है, जबकि मैं प्रभु की प्रतीक्षा कर रहा हूं, कि दिशा मालूम करूँ। अब, मंगलवार, मुझे प्रार्थना की बहुत ही आवश्यकता है इतनी आवश्यकता मुझे सारे जीवन भर में कभी नहीं पड़ी। मैं आपसे कहने जा रहा हूं यदि आप लोग मेरे लिए प्रार्थना करें। [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] मुझे—मुझे आपकी प्रार्थनाओं की आवश्यकता होगी। निश्चय ही मेरे लिए प्रार्थना करें। मंगलवार को जिस प्रकार से हवा बदली है, मेरे लिए इसका बड़ा अर्थ हो सकता है, और कलीसिया के लिए और मसीह के कारण से। इसलिए पक्के रहे कि मेरे लिए प्रार्थना करें।

8 अब जब तक मैं यह ना पाऊं कि मुझे किस दिशा में जाना है और क्या करना है, मैं प्रभु की प्रतीक्षा कर रहा हूं। उस समय के चलते, मैं यहां

आराधनालय के चारों ओर अंदर और बाहर प्रचार कर रहा हूं, बीमारों के लिए प्रार्थना कर रहा हूं, जो कुछ भी कर सकता हूं कर रहा हूं। हम किसी दिन चाहेंगे, यदि सरकार हमें नहीं रोकती है, हम यहां पर एक आराधनालय बनाना चाहते हैं, एक अच्छा आराधनालय जहां पर हमारे पास बैठने के लिए मेन हॉल में स्थान हो, और बालकनी, और आदि–आदि, इसलिए यह एक अच्छा वातानुकूलित आराधनालय होगा, ताकि लोग आराम से बैठ सकते हैं, और सभाओं में सुन सकते हैं, यदि वे हमें करने देंगे, हम ऐसी आशा करते हैं। अब, हमारे लिए प्रार्थना करें।

9 और अब आज रात्रि, हम उस विषय को लेने जा रहे हैं जिसकी प्रतिज्ञा मैंने आज प्रातः की थी, प्रभु ने चाहा तो आज रात्रि उस पर बात करेंगे। और आवाज के कारण, यह लगभग शिक्षा देने के समान होगा। आज रात्रि मैं: *जीवित परमेश्वर की सच्ची कलीसिया की पांच निश्चित पहचाने* इस पर बोलना चाहता हूं। सच्ची कलीसिया के पांच निश्चित प्रमाण, या बल्कि पहचाने, मेरा मतलब, सच्ची कलीसिया की!

10 अब, इससे पहले हम इस प्रभावशाली विषय पर जाएं, मैं कुछ शब्द की प्रार्थना के लिए पूछना चाहता हूं। मैं अपने पास्टर भाई नेविल से कहूंगा, कि वे यहां आकर और परमेश्वर के वचन के लिए प्रार्थना करें। जब तक हम सब, संत मत्ती का 16वां अध्याय, और 18वां पद निकाल ले, संत मत्ती 16:18 से आरंभ करेंगे, जब तक की भाई नेविल अपने रास्ते पर हैं कि दिलासे के लिए प्रार्थना करें।

[भाई ऑरमेन नेविल प्रार्थना करते हैं: "हमारे स्वर्गीय पिता, हम आज रात इसके लिए आभारी हैं, एक और सौभाग्य और अवसर के लिए जो हमें आपकी महान, सनातन दया के द्वारा प्रदान किया गया है। हम आज रात खींचा तानी, और पवित्र आत्मा के नेतृत्व के लिए आभारी हैं। हम सराहना करते हैं, हमारे परमेश्वर, कि आप ही वह परमेश्वर हैं जो इस दुनिया के अंत तक हमारे अंदर रहने और हमारे साथ रहने के लिए नीचे उतर आये।"] हाँ।

["पिता, कल की बड़ी समस्याये और परिक्षाये कुछ नहीं लगेंगी जब तक हम आपके हाथ पकड़ कर आपके साथ चल सकते हैं।"] सच है, प्रभु। ["हम प्रार्थना करते हैं, प्रभु, कि आप हमें एक गहरी दया को दें, एक दूसरे के प्रति, यह जानते हुए कि जबकि कोई परीक्षा की गहराई में है, और

परखे जाने की कठोरता में है, कि हम भी, इन दिनों में से एक दिन, ऐसी ही परिस्थितियों से होकर गुज़रेंगे। परमेश्वर, हमारे अंदर यीशु की आत्मा दीजिये, जब तक हम एक दूसरे के प्रति इतना महसूस न करें, जब तक कि हमारे बीच एकता न हो जाए, जब तक हम एक साथ आपकी सेवा नहीं कर सकते है।"] हाँ।

["पिता, आज रात हम आपको धन्यवाद देते हैं, इसके लिए, एक और सौभाग्य जो हमें प्रदान किया गया है, कि आपके दास जिसे आपने ठहराया है, उसकी शिक्षा के नीचे बैठने के योग्य हो सके, जिसे आपने इस पद के लिए चुना है।"] धन्यवाद। ["जिसे आपने इस सेवकाई के लाभों के नीचे, हमें इसमें शामिल होने का सौभाग्य देना उचित समझा। उसे और हमें, आशीषित करें... इस सेवकाई के साथ जो उस पर है।"] इसे प्रदान करें। हाँ।

["पिता, हम प्रार्थना करते हैं कि जैसे–जैसे ये दिन आने वाले सप्ताह में आ रहे हैं, जब हम अपने हृदय में यह कहते हुए, अब इस तरह की बिचवाई से आपको पुकारें, कि, 'परमेश्वर, जब से आपने हमें बताया कि जो कुछ भी बातों को हम कहते हैं, यह वैसा ही होगा जैसा हम इसे बोलते हैं, यदि हम केवल विश्वास करते हैं और आप पर भरोसा करते हैं और आज्ञा को मानते हैं। इसलिए, प्रभु, ये आने वाले दिन जो कि मेरे भाई, और हमारे भाई, और आपके सेवक पर परखे जाने वाले हैं। हे परमेश्वर, हम उसे प्रभु यीशु के नाम में, बहुतायत से, आपको पास सौंपते हैं, और प्रार्थना करते हैं कि आप उसे छिपा दे एक स्वर्गीय सुरक्षा और आशीष के साथ जिसे उसने पहले कभी भी नहीं जाना।"] इसे प्रदान करें, प्रभु। ऐसा करें, प्रभु।

["मेरे परमेश्वर, हम प्रार्थना करते हैं कि आप हर उस बौद्धिक शक्ति को दबा देंगे जो उठेगी, रोकने की कोशिश करे या एक तरफ हटने की कोशिश करे।"] इसे प्रदान करें, प्रभु। ["होने पाए जब बोलने का अवसर मिले तो उसका मुंह ज्ञान की बातें बोलने के लिए खुले।"] हाँ, प्रभु। ["हे प्रभु, हम आपका धन्यवाद करते हैं, हमारे परमेश्वर, कि आपने युगों युगों तक अपने सारे सेवकों की व्यवस्था की है।"] हाँ। ["और पवित्र आत्मा उस—उस मौखिक वचन को सामने रखने के लिए पर्याप्त है जो विद्वान और बुद्धिमान मनुष्यों की उपस्थिति में सामना करेगा।"] हाँ, प्रभु।

[“हमारे पिता, हम आपसे मांगते हैं कि हमें नम्रता पूर्वक और कोमलता से, और आपके सामने चले, हे प्रभु यीशु। केवल हम आपकी इच्छा करें और आपकी उपस्थिति को महसूस करें। अब हमारे साथ रहे। और, हे परमेश्वर, हम प्रार्थना करते हैं कि आपकी हमारे भीतर सिद्ध स्तुति हो, इतना तक यह दबाव से बाहर नहीं आयेगी, लेकिन अभिषेक के साथ हममें से स्तुति निकलेगी।”] हे परमेश्वर!

[“ओह, मेरे प्रभु, आज की रात इस अद्भुत दिन को पूरा करे जिसमें आप आये है और बीमारों को चंगा किया है, और खोए हुओं को छुड़ाया है, और अशुद्धों के मन को पवित्र करने के लिए, हमारे साथ रहे है।”] हाँ!... ? ... [“अब, प्रभु, आज रात इस सभा में, इसे हाठ में ले, और हमारे भाई के गले को आशीष दें। और वचन को आशीष दे जैसे यह बहता है। होने पाए हमारे पास ग्रहणशील ह्रदय और मन हो। और, हे परमेश्वर, अब इसके लिए हमारी स्तुति को स्वीकार करें, यीशु के नाम में। आमीन और आमीन।”—सम्पा।] आमीन।

11 क्या इसके आवाज़ को सारा बढ़ा दिया है जो इसे लेगा? क्या यह सब चालू है? क्या यह सब चालू है? [कोई भाई कहता है, “ये सब चालू है।”—सम्पा।] क्या यह वाला माईक, सही माईक है? [“दोनों है।”] क्या आप मुझे सुन सकते हैं ठीक है? वहां पीछे, क्या आप मेरी आवाज सुन सकते हैं? [“आमीन।”] ठीक है। अच्छा है।

12 मैं मत्ती की किताब में से 16वे अध्याय के और 18वे पद को पढ़ना चाहता हूं। मैं 17वे से आरंभ करूंगा।

> *और यीशु ने उसको उत्तर दिया और कहा, कि हे शमौन योना के पुत्र, तू धन्य है: ... क्योंकि मांस और लहू ने नहीं, परंतु मेरे पिता ने जो स्वर्ग में है, यह बात तुझ पर प्रकट की है।*
>
> *... और... मैं भी तुझ से कहता हूं, कि तू पतरस है, और मैं इस पत्थर पर अपनी कलीसिया बनाऊंगा; और अधोलोक के फाटक उस पर प्रबल ना होंगे।*

13 होने पाए परमेश्वर अपने वचन पर आशीष दे। *कलीसिया* शब्द, इस प्रत्येक विषय पर जो मैंने आपसे बोलने का प्रयत्न करने के लिए चुना है इसमें से एक है: कलीसिया क्या है? इसे किसने तय किया है? इसका

सन्देश क्या है? हम इसके सदस्य कैसे बन सकते हैं? और क्या हम बिना इसके सदस्य बने स्वर्ग को जा सकते हैं?

अब, इनमें से प्रत्येक मूल पाठ पर घंटों ले सकते हैं, उन्हें आगे और पीछे जांच करें। परंतु मैं कुछ विशेष आधारभूत बातें लेना चाहता हूं, यह दर्शाने के लिए कि वास्तविक कलीसिया क्या है। और अब, मैं चाहता हूं कि आप अपनी बाईबले ले ले।

14 अब, पहले स्थान पर *कलीसिया* शब्द, का क्या अर्थ है, "बाहर बुलाए हुए।"

अब, इस्राएल तब तक परमेश्वर की *कलीसिया* नहीं थी, जब तक वे मिस्र में थे। वे परमेश्वर के *लोग* थे। और जब परमेश्वर ने उन्हें मिस्र से बाहर बुलाया, तो वे परमेश्वर की *कलीसिया* बन गए, क्योंकि वे "बाहर बुलाए हुए थे।"

अब, आज भी यह वैसे ही है। *कलीसिया* शब्द का अर्थ "बाहर बुलाए गए लोग," वे जो बुलाए गए हैं, अलग किए हुए, भिन्न बने हुए।

15 अब, पुराने नियम में, जानी हुई कलीसिया "परमेश्वर का राज्य," कहलाती थी, परमेश्वर का राज्य। अब, मैं इसे बाईबल के कार्यक्रम से ले रहा हूं। पुराना नियम, कलीसिया "परमेश्वर का राज्य" कहलाई थी। दूसरे शब्दों में, परमेश्वर राजा है, और कलीसिया उसकी प्रजा। "परमेश्वर का राज्य," पुराना नियम।

16 नए नियम के अन्दर, यह "मसीह का राज्य" कहलाया। ओह, मुझे यह मसीहत अच्छी लगती है। दूसरी तरह से, "मसीह का राज्य," जहां पर मसीह का कानून और राज्य है। कोई नामधारी बंधन या कुछ नहीं, मसीह अपने राज्य में राज करता है। क्या यह अद्भुत विचार नहीं? मसीही का राज्य। इसलिए, कलीसिया कोई संस्था नहीं है, कलीसिया लोगों का एकत्र होना नहीं है। कलीसिया परमेश्वर के *वे* लोग है जो संसार से बाहर बुलाए गए हैं, कि दूसरे राज्य में सेवा करें।

17 यह निवेदित भाऊ के लिए रहेगा। कुछ माह पहले, पत्नी और मैं बाजार की ओर जा रहे थे। और हमने एक अजीब चीज पाई, कि वहां गली में एक महिला स्कर्ट पहने हुए थी। ओह, आप विश्वास नहीं करेंगे, परंतु हमने वास्तव में एक को पाया। और पत्नी ने मुझ से कहा, "खैर, उसकी ओर देखो।"

18 मैंने कहा, "इसे एक मसीही होना चाहिए। यह बहुत भिन्न है।" यह लज्जा की बात है।

19 तब प्रश्न उठा, "बिल, यह ऐसा क्यों है, कि हम एक मसीही होने के नाते, और यह विश्वास जिसमें कि हम विश्वास करते हैं, यह क्यों हैं कि हम अपनी स्त्रियों पर दबाव डालते हैं कि सभ्य कपड़े पहने और उस प्रकार का व्यवहार करें? क्या दूसरी कलिसियाओ में नहीं है? वे इस प्रकार के कपड़े पहनते हैं, अश्लील वस्त्र, और यह क्यों है? आप नहीं कह सकते थे कि वे अश्लील थे।"

20 मैंने कहा, "यह सत्य है। मैं किसी का न्याय नहीं कर सकता। परंतु, उन्हें देखकर, 'अपने फलों के द्वारा वे जाने जाते हैं।' वे वास्तव में अपराध नहीं कर सकते, परंतु उनके ऊपर एक आत्मा है जो उन्हें अश्लीलता की ओर ले जाती है।"

21 अब, यीशु ने कहा, "जो कोई भी किसी स्त्री पर कुदृष्टि डालता है, वह उसके साथ अपने हृदय में व्यभिचार कर चूका।" अब, जब उस पापी को व्यभिचार के लिए उत्तर देना पड़ेगा, तो कौन दोषी होगा? वह स्त्री जिसने स्वयं को प्रस्तुत किया। हो सकता है आप कुमुदिनी के समान निष्कलंक हो, जहां तक गुणों का संबंध है। परंतु यदि अपने स्वयं को लोगों के समक्ष अश्लील रीति से उपस्थित करती हैं, यद्यपि आप व्यवहार में निर्दोष थे, आप उस मनुष्य को आपके लिए बुरा सोचने का कारण है, जबकि यह आपकी गलती है। यीशु ने कहा तुम "व्यभिचार करने के" दोषी हो। और, "व्यभिचारी स्वर्ग के राज्य में कभी प्रवेश ना करेंगे।"

22 परंतु, जैसे कि मैं संसार की यात्रा करता हूं, मैंने पाया की हर राष्ट्र की अपनी आत्मा होती है। और सारे राष्ट्र शैतान के द्वारा नियंत्रित होते हैं। सारी सरकारें शैतान के द्वारा राज्य करती हैं। बाईबल ऐसा बताती है। वे झगड़ते है, वे युद्ध करते हैं, और जब तक यीशु नहीं आता है वे यही करेंगे, और तब वह एक राज्य स्थापित करेगा, कि वहां पर कोई युद्ध ना होगा। परंतु शैतान ने कहा संसार के समस्त राज्य उसी के हैं, और उसने जो भी चाहा वही उसके साथ वो करेगा, ठीक यीशु मसीह के सामने। और यह सब शैतान के हथियार हैं, शैतान के राज्य के। शैतान ने यीशु को बताया, "मैं इन्हें तुझे दे दूंगा यदि तू झुक कर दंडवत करें।"

23 यीशु जानता था कि सह–शताब्दी में वह उन्हें इसका उत्तराधिकारी बनाएगा, इसलिए उसने कहा, "शैतान, तू मुझसे दूर हो जा।" वह जानता था कि परमेश्वर उसे समस्त संसार के राज्य दे देगा, और वे उसके होंगे, और वे सब एक राज्य में होंगे।

24 जब आप जर्मनी में जाते है, तो आप जर्मनी आत्मा पाएंगे। आप इंग्लैंड में जाएं, आप अंग्रेजी आत्मा पाएंगे। आप स्वीडन जाएं, आप स्वीडन आत्मा पाएंगे। आप फ्रांस में जाएं, आप फ्रांस की आत्मा पाएंगे। आप अमेरिका आए, आप अमेरिकन आत्मा को पाएंगे।

25 कुछ समय पहले मैं रोम में, सेन एंग्लो में रुका, और मैं केटाकोम्ब देखना चाहता था। और मुझे आश्चर्य हुआ, मुझ अमेरिकन के लिए एक झिडकी थी, मैं केटाकोम्ब के फाटक के पास खड़ा था, जहां से आप अंदर जाते हैं, कहा, "अमेरिकन स्त्रियों के लिए: कृपया कपड़े पहने और प्रवेश करने से पहले मृतकों का सम्मान करें।" जब एक राष्ट्र इतना नीचे चला जाता है, तो यह भयानक है, जब हम उस स्थान पर पहुंचते हैं। सो आप देखते हैं, क्योंकि...

एक बार मैंने एक महिला से पूछा, "क्या आप मसीही हैं? "

26 उसने कहा, "मैं अमरीकन हूं। सही में, मैं हूं।" इससे इसका कोई लेना–देना नहीं।

27 एक रात्रि भाई बोसवर्थ ने पूछा, कहा, "बहन, क्या आप एक मसीही है? "

28 कहा, "मैं आपको बता देना चाहती हूं, मैं हर रात्रि मोमबत्ती जलाती हूं।" ऐसा कुछ मसीहत से संबंध रखता है, मोमबत्ती का जलाना। मसीहत में इस प्रकार की चीजें नहीं होती। और परमेश्वर की कलीसिया में इस तरह की बातें नहीं होती।

29 अब महिलाओं को क्या बनाता है... हम उन महिलाओं को यह करने के लिए कभी भी दबाव नहीं डालते। हम अपने पुरुषों को ना पीने के लिए कभी दबाव नहीं डालते, ना ही शपथ लेने के लिए। हम केवल सुसमाचार प्रचार करते हैं, और बाईबल के नमूने को रखते हैं। बहुत सारे पुरुष पेंटीकोस्टल विश्वास में आते हैं और पवित्रताई के विश्वास में अंदर आते हैं, और वैसा होने का दावा करते हैं, जबकि वे अपने हृदय में वैसे नहीं हैं। बहुत सी महिलाएं भी यही करती हैं। हम उन से यह नहीं कहते कि उन्हें यह करना

है। हम उन्हें केवल नमूना दिखाते है। बताते हैं कि बाईबल क्या कहती है, और यदि स्वर्गीय आत्मा से उत्पन्न हुए हैं, तो फिर उनकी आत्मा अमेरिकन नहीं है, तो फिर वह जर्मनी नहीं है। यह स्वर्गीय हो गई, जहां परमेश्वर का राज्य है। क्योंकि हम दूसरे राज्य में हैं, परमेश्वर का राज्य जहां शालीनता, पवित्रताई है, और सामर्थ है।

30 हमारी पहुंच हमारे राजा तक है। हम जब भी उसे पुकारते हैं हमारा उसके साथ साक्षात्कार होता है। हमारा मध्यस्थ और कोई नहीं है, हमारे और राजा के बीच वह केवल एक मनुष्य, मसीह यीशु। इसलिए हम एक राज्य में रह रहे हैं। और यह बाईबल के कार्यक्रम में, "मसीहत, मसीहत का राज्य," कहलाता है। दूसरे शब्दों में, जहां मसीह अपने राज्य में, हर जीवन के अंदर अपने लोगों के जीवन में शासन करता है, जीवन के प्रत्येक क्षेत्र से बाहर बुलाए गए लोगों में, उन्हें एक झुंड में एकत्र करता है, और उसे, "अपनी कलीसिया," कहता है या "उसके बुलाए हुए लोग।" क्या यह सुंदर बात नहीं है?

31 अब इस्राएल परमेश्वर के *लोग* वहां तक थे (यदि आप लिख रहे हैं, तो प्रेरितों के कार्य 7:38) तब वे परमेश्वर की *कलीसिया* कहलाए, क्योंकि वे परमेश्वर के द्वारा मिस्र से बुलाये गये, संसार से दूसरी कलीसियाओ में से, दूसरे धर्मों में से बुलाए गए कि परमेश्वर के साथ–साथ अकेले चले।

32 और, आज परमेश्वर की कलीसिया ऐसे ही है, संसार की हर चीज से बाहर बुला ली गई है, धर्म के हर पंथ से बाहर बुला ली गई है, धर्म के हर नामधारी कलीसिया से बाहर बुला ली गई है, धर्म के हर संस्था से बाहर बुला ली गई है, कि परमेश्वर के साथ चलें। बिशप के द्वारा शासित नहीं की गई, केवल मसीह के द्वारा शासित की गई है, इस मसीह के राज्य में जिस में हम रहते हैं। मसीह राजा है। मसीह ही एक है।

33 अब, मसीह इसका सिर है। मसीह इस मसीही राज्य का राजा है। और आप उस राज्य को संस्थागत नहीं कर सकते जिसका सिर मसीह है। आप उस राज्य पर शासन नहीं कर सकते जिसका सिर मसीह है। क्योंकि, मसीह राजा है, और आप मनुष्य की बुद्धि को नहीं ले सकते और उसे संस्थागत कर दें, जिस पर मसीह राज्य करेगा। इसलिए, कोई भी संगतियां, कोई भी लोग, मनुष्यों का कोई सा भी झुंड, जो परमेश्वर के राज्य को, संस्थागत करना चाहता है, वह राजा के विरुद्ध है। और यदि वे

राजा के विरोध में होने जा रहे हैं, तो यह उसके विरोध में होगा। इसलिए यदि यह राजा के विरोध में है, तो यह मसीह विरोधी होगा। यह बहुत ही कठिन है। यदि मेरी बस थोड़ी और आवाज़ होती थी, हम उसे स्पष्ट कर देंते। यह मसीह विरोधी है। और यदि आप मेरे साथ थोड़ा सा रुके, तो मैं यह सिद्ध कर दूंगा। एक मसीह विरोधी आत्मा कुछ—कुछ लोगों को लेने का यत्न करती है और उन्हें संस्था से बुलाकर संस्था में ले जाती है, उन्हें एक साथ मिलकर संस्थागत करती है, जो की कभी भी परमेश्वर की इच्छा नहीं होगी। लोग सदा मुझ से विवाद करते है क्योंकि मैं संस्थाओं पर कड़ा प्रहार करता हूं। यह उसमें वे लोग नहीं है, जिन पर मैं प्रहार करता हूं। यह वह शासन करने वाली आत्मा है जो लोगों को यह विचार देती है कि, "हम वह लोग हैं।"

34 परमेश्वर के लोग उसके बुलाए हुए लोग होते हैं। मैं विश्वास करता हूं कि वे हर नामधारी कलीसिया में है। वे कैथोलिक हो सकते हैं। वे प्रोटेस्टेंट हो सकते हैं। वे यहूदी हो सकते हैं। वे किसी भी प्रकार की कलीसिया हो सकते हैं। परंतु वास्तविक कलीसिया यीशु मसीह की रहस्यमय देह है।

35 अब, आप मसीह की रहस्यमय देह को संस्थागत नहीं कर सकते। अब, हर व्यक्ति जो मसीह के पास आता है, वह संसार से बाहर निकलकर, मसीह में आता है, उसकी रहस्यमय देह में आता है। और जब आप उसकी कलीसिया में लाए जाते हैं तो आप उस देह के सदस्य हैं, बाहर बुलाए गए और उसकी रहस्यमय देह में बपतिस्मा लिया। अब समझे आप? ना कि मैथोडिस्ट, ना बैपटिस्ट, ना पेंटीकोस्टल, ना नाजरीन, ना पिलग्रिम होलीनेस, ना कैथोलिक; परंतु यीशु मसीह की देह। दूसरे प्रश्न में हम इसे थोड़ा और गहराई से लेंगे, थोड़े कुछ मिनटों में, जैसे कि हम इसके गहरे भागों में जाते हैं। परंतु, मसीह की देह कलीसिया है।

36 अब, उसने इसे बहुत से दृष्टान्तो में जोड़ा है, जैसे की पति और पत्नी में, उसने कलीसिया को "दुल्हन" कहा है। और ना तो दुल्हन, और ना तो दूल्हा, अब दो लोग नहीं है; वे एक हैं। "वो उसके मांस में का मांस है और हड्डी में की हड्डी है।" और जब पुरुष या महिला मसीह की रहस्यमय देह में बुलाए जाते हैं, उस पवित्र आत्मा के द्वारा, वे उस देह के पूरे सदस्य हो जाते हैं, जब वे पवित्र आत्मा से भर जाते हैं। क्योंकि, परमेश्वर मसीह में से आत्मा को लेता है, और उसके देह को जीवित करता है और उसे अपने

सिंहासन में रखता है, और पवित्र आत्मा को उसकी रहस्यमय देह को बनाने के लिए वापस भेजता है, जो कि प्रभु के आगमन पर विवाह के भोज पर जुड़ जाएगा। आप इसे संस्थागत नहीं कर सकते। यह एक भेद है।

37 यीशु ने निकुदेमस से कहा, "हवा जहां चाहे चलती है तू नहीं बता सकता। कि वह कहां से आती है वह कहां जा रही है। ऐसे ही वह हर व्यक्ति है जो आत्मा से जन्मा है।" आप इसे नहीं समझ सकते। यह कहीं से आता है। और यह मैथोडिस्ट नही है। यह बैपटिस्ट नहीं है। यह पेंटीकोस्टल नहीं है। यह कोई संस्था नहीं है। यह एक जन्म है, परमेश्वर के राज्य में जन्म है।

38 अब, इसे संस्थागत करने का यत्न करना मसीह विरोधी है, क्योंकि कोई भी बात जो मसीह की शिक्षा के विरुद्ध है वह मसीह विरोधी है।

39 तो फिर यह संस्था कहां से आरंभ हुई? यीशु, जब वह इस पृथ्वी पर था, उसने कोई भी कलीसिया, कभी भी संस्थागत नहीं की। उसने आने वाली कलीसिया के विषय में बताया, परंतु उसने कोई भी कलीसिया संस्थागत नहीं की। अन्तिम प्रेरित की मृत्यु के सौ वर्षों बाद तक कलीसिया कभी भी संस्थागत नहीं हुई। और पहली संस्थागत कलीसिया जो इस पृथ्वी पर संस्थागत हुई, वह रोमन कैथोलिक कलीसिया थी। अब, मेरे पास *प्री निसियन फादर, फॉक्स बुक ऑफ मार्टियर्स* है, योसुफुस के लेख, पेम्बर का *अर्ली एज,* और बहुत से बड़े प्राचीन लेखक। और कहीं भी, कहीं भी किसी इतिहास के पन्ने पर यह नहीं लिखा है, कि जब तक रोमन कैथोलिक संस्थागत नहीं हुई कोई और कलीसिया संस्थागत हुई हो। और यह संस्था बन गई, जो की परमेश्वर के विरोध में है।

अब, यदि कोई ऐसी चीज आ रही थी... ओह, मैं चाहता हूं कि ये आपको समझा दूं। यदि ऐसी चीज आ रही थी, और ऐसी बड़ी मसीह विरोधी होगी, क्या यह परमेश्वर को पहले से मालूम ना होगा, यदि वह अनंत परमेश्वर है? वह अनंत है, तो क्या वह यह नहीं जानता था कि यह चीजें आ रही थी? यदि यह ऐसी भयानक बात थी, तो क्या उसने अपनी कलीसिया को पहले से नहीं चेताया होगा? अब, मैं आशा करता हूं अब आप को समझ मिल गई होगी कि मैं क्यों प्रहार करता हूं, संस्था के अंदर लोगों पर नहीं, परंतु संस्था के वे कार्यक्रम। यह मसीह विरोधी होने को छोड़ और कुछ नहीं हो सकता, इन में से प्रत्येक।

40 अब आप कहते है, "एक मिनट रुकिए, मैंने सोचा था कि आप बाईबल को छोड़ और कुछ नहीं प्रचार करते।"

41 तो चलिए फिर इसे बाईबल को ही कहने दे। अब आइए थोड़ा सा निकाल कर पढ़ें। मेरे साथ प्रकाशितवाक्य 17वां अध्याय निकालें। यह यीशु मसीह का प्रकाशन उसकी कलीसिया को है, कलीसिया बाहर बुलाई गई। प्रकाशितवाक्य 17। और हम इसे जल्द से जल्द करने का यत्न करेंगे। परंतु ध्यान दें कि हम क्या पढ़ते हैं।

> *... और जिन सात स्वर्गदूतो के पास वे सात कटोरे थे, उन में से एक ने आकर* मुझसे *यह कहा... कि ऊपर आ;* और मैं तुझे *उस बड़ी वैश्या का दण्ड* दिखाऊं *जो बहुत से पानियों पर बैठी है:*

42 अब यह सब प्रतीकात्मक है, क्योंकि यह यीशु मसीह का मोहरबंद प्रकाशन है। क्या आप यह जानते हैं? यह छुपी हुई बात है, और केवल प्रकाशित किया जा सकता था, बुद्धि की समझ से नहीं, परंतु पवित्र आत्मा के द्वारा प्रगट किया जाता है, आत्मा के वरदान के द्वारा। "वह जिसमें बुद्धि हो वह इस पशु का अंक जोड़ ले। वो जिसके पास बुद्धि का वरदान है, बुद्धि का वरदान, उसे *यह* करने दो और *वह* करने दो।" और यह प्रकाशन है।

43 अब, कोई भी जानता है जब महिला को बाईबल में दर्शाया जाता है, यह कलीसिया से संबंधित है। मसीह की कलीसिया "दुल्हन" कहलाती है। पौलुस ने कहा, "बेदाग दुल्हन के समान मैंने तुम्हारी बात मसीह से लगाई है।"

44 अब हम यहां एक महान स्त्री के विषय में बात कर रहे हैं जो कि बदनाम स्त्री है। "यहां आ और मैं तुझे दिखाऊंगा," स्वर्गदूत ने यूहन्ना से कहा, "बड़ी वेश्या का दंड जो बहुत से पानियों पर बैठी है।" अब, "स्त्री बहुत से पानियों पर बैठी है," सुनने में रहस्यमय लगता है, परंतु यहां पर सब है। बाईबल इसकी व्याख्या करती है।

अब आइए 15वां अध्याय निकाले, इसलिए हम... या बल्कि 15वां पद, उसी अध्याय का, ताकी आप देख सकें कि उस—उस—उस—उस "पानी" का क्या अर्थ है।

और उसने मुझ से कहा, जो पानी तू ने देखे, जिन पर वैश्या बैठी हुई है, और लोग... और भीड़,... राष्ट्र, और भाषा हैं।

45 इसलिए, वे *पानी* जिनके ऊपर वह स्त्री बैठी है, उसका नियंत्रण "राष्ट्रों, लोगों, भीड़, और भाषाओं पर है।" उसका इन सब पर नियंत्रण हो गया है; एक स्त्री, एक बदनाम स्त्री।

अब, यदि एक स्त्री बदनाम है, यदि एक स्त्री स्वाभाविक रूप से, एक—एक स्त्री कहलाती थी, हम यह जान जाएंगे कि वह अपने पति के प्रति झूठी थी। यही है जो वह कहलाएगी। तो वह अपने पति के साथ सच्चाई के साथ रहने का ढोंग करती है, परंतु उसके प्रति सच्ची नहीं है। क्या यह ठीक बात है?

तो फिर यह कलीसिया जो कहती है कि मसीह उसका पति है, और उसके धर्म सिद्धांत उसकी शिक्षा के विरुद्ध हैं। वह एक वैश्या है। और उसने लोगों भीड़ और राष्ट्रों पर नियंत्रण कर रखा है। "ऊपर आ और मैं तुझे उसका दण्ड दिखाऊंगा।" अब हमें सही चित्र दिखाई पड़ रहा है।

... जिसके साथ पृथ्वी के राजाओं ने व्यभिचार किया है, और पृथ्वी के रहने वाले... उसके व्यभिचार की मदिरा से मतवाली हो गए थे।

46 *व्यभिचार* क्या है? "अशुद्ध होने के लिए; अशुद्धता।" वह एक वैश्या है। उसमें अशुद्धता है, और समस्त संसार के धनवान लोग, वे राजाओं ने और राष्ट्रों के महान लोगों ने और भीड़ ने, उसके साथ व्यभिचार किया है, उसकी दुष्टता में सांझी हुए हैं। आप देखते है कि यह कहां से आता है, क्या नहीं? समझे?

47 अब, इसके लिखे जाने के लिए मैं उत्तर दाई नहीं हूं, यदि मैं इसे ना सिखाऊँ तो मैं उत्तरदाई हूं। हूं–हुंह। इस समय हम *कलीसिया* के विषय में बात कर रहे हैं। अब, यदि आप ध्यान देंगे, जैसा कि हम थोड़ा सा आगे बढ़ते हैं।

तब वह मुझे आत्मा में जंगल को ले गया: और मैंने किरमिजी रंग के पशु पर स्त्री को बैठे देखा,...

48 जब हम आगे बढ़ते हैं तो मैं इस नमूने को ले लू। अब, *किरमिजी* "लाल" रंग है। एक प्रकार से लाल रंग है, अच्छा रंग है। दूसरी तरह से यह

बदनाम रंग है, लाल बत्ती, खतरनाक रंग, एक किरमिजी रंग। "किरमिजी रंग... वह किरमिजी रंग से सजी हुई थी, " लाल, वैश्या।

49 "और एक पशु के ऊपर बैठी हुई थी।" बाईबल में *पशु* का अर्थ "सामर्थ" है। यदि आप ध्यान दें, बहुत सारे सेवक हैं, मैं उन्हें, हां, के संकेत में सिर हिलाते हुए देखता हूं, क्योंकि वे बाईबल के शिक्षक हैं। एक *पशु* का अर्थ "सामर्थ" है। हम बाईबल के—के इन पशुओं को प्रकाशितवाक्य 13 के, और डेनियल के, वे पानी में से निकल कर आ रहे हैं; पशु, सामर्थ, लोगों में से निकल कर आ रहे हैं।

50 परंतु क्या आपने ध्यान दिया? प्रकाशितवाक्य 13 में, जब संयुक्त राज्य उठता है, केवल यही एक पशु है बाईबल में, जो ऊपर आया, जो पानियों में से नहीं निकला। बाईबल कहती है यह पृथ्वी पर से उठता है, जहां पर लोग नहीं है। यह एक नया राज्य हैं। और यह मेमने के समान दिखाई पड़ता है, परंतु कुछ समय के पश्चात यह अजगर के समान बोलता है। यह राष्ट्र यही हैं। यह तो घटित होना ही है। किसी दिन वे गलती करेंगे और वे गलत व्यक्ति को चुनेंगे। वे यूसुफ को उठाएंगे, याने... "एक फिरौन जो यूसुफ को ना जानता था।" उन्होंने इसे पहले परखा, और वे इसे फिर से करेंगे, यदि वे इस बार असफल हो जाते हैं। तो अंत में वह आएगा। बाईबल ऐसा कहती है। अब, मैं राजनीतिज्ञ नहीं हूं। वे तो दोनों ओर से ही गलत है। मैं अपना मत यीशु मसीह को देता हूं। मैं केवल उसी में अपनी रुचि रखता हूं। परन्तु, मैं आपको बताता हूं, कि अच्छा होगा, कि अब आप अपने चश्मे को साफ कर लें, आप अपने बालकों के लिए किसी भी स्वतंत्रता की आशा करते हैं। मैं नहीं जानता कि यह कितना समीप है। प्रार्थना करें। ठीक है। रखे... ध्यान दे।

> *तब वह मुझे आत्मा में जंगल को ले गया: और मैंने एक स्त्री* (कलीसिया) *को बैठे हुए देखा, किरमिजी रंग के पशु पर, किरमिजी रंग का पशु, जो निन्दा के नामो से छिपा हुआ था, जिसके सात सिर और दस सींग थे।*

51 "सात सिर।" यहां पर, यह कहा गया है, "सात सिर" जो कि पशु के थे, "वह सात पहाड़ हैं जिन पर वह—वह नगर बसा हुआ है।" सात पहाडो पर कौन सा नगर बसा हुआ है? [सभा कहती है, "रोम।"—सम्पा।] रोम, ठीक, वही नगर है जो सात पहाड़ों पर बसा हुआ है; एक

कलीसिया, एक स्त्री, एक वैश्या जो अपने सामर्थ से संसार को वश में कर लेगी। क्यों, यह ऐसे ही स्पष्ट है जैसे कि अखबार पढ़ना। समझे? निश्चय ही। अब।

> *और यह स्त्री बैंजनी और किरमिजी* रंग *कपड़े पहने हुए थी,* (एक स्त्री, कलीसिया, धनी), *और सोने और बहुमूल्य मणियो और मोतियों से सजी हुई थी,...*

52 मुझे बताए कहां पर उनमें से किसी ने कभी इन्कम टैक्स दिया हो। उन पर कहां किसी भी चीज के लिए कर लगा। विधी से हट कर, उन्होंने जो भी चाहा किया। तब भी, परमेश्वर के बालक वहां उनमें है। निश्चय ही वो है।

53 ठीक वैसे ही, तवा कड़ाई को काला नहीं कह सकता। बहुत सी बार प्रोटेस्टेंट कहते हैं, "भाई, कैथोलिको ने *इसको, उसको, इत्यादि* को घात किया है।" जोसफ स्मिथ को किस ने घात किया? मैं उसके साथ सहमत नहीं हूं। परंतु यहां अमेरिका में उसे भी अपनी शिक्षा के लिए अधिकार है, जैसे मुझे मेरे लिए है। और मैथोडिस्ट कलीसिया ने जोजफ़ स्मिथ को घात किया। जब आप उस—उस साल्ट लेक सिटी में आते हैं, तो एक बड़ा सा बोर्ड वहां पर है, "तुम मैथोडिस्ट, मोरमोन के झिंगरो पर ध्यान रखना।" ठीक है। मैथोडिस्ट कलीसिया ने जोजफ स्मिथ को मार डाला। प्रोटेस्टेन्टो ने! इसलिए, कैथोलिक के विषय में शोर ना मचाए। थोड़ी सी देर के लिए ध्यान दें, बाईबल भी ऐसा ही कहेगी।

> *... बहुमोल मणियो... और मोतियों से सजी हुई थी और उसके हाथ में एक सोने का कटोरा था* जो घृणित वस्तुओं से और उसके व्यभिचार की *अशुद्ध वस्तुओं* से भरा हुआ था, उसकी धर्म शिक्षा, जो वह दे रही है, पृथ्वी के राजा उसे पी रहे हैं।

54 कोई भी इसका विश्वास कर सकता है, भाई जेगर की विटामिन की गोली का विश्वास कर सकता है, कि, "आप एक स्त्री पर जल का छिडकाव कर सकते है जो अपने पति के साथ बीस वर्ष ब्याहता रही हो, और ढेर सारे बच्चे हो, और उसे फिर से कुंवारी बना दें, और उसे उसके पति के साथ दुल्हन की सेज पर उस रात भेजें।" कोई विश्वास कर सकता है कि पवित्र जल यह करेगा, कुछ भी विश्वास कर सकते हैं। यह ठीक बात है।

परंतु पृथ्वी के राजाओं ने इस प्रकार की बातें की। यह इसलिए कि वे शांति से जी सकें और शांतिमय अनुभूति हो। लेकिन आप अपने हृदय की गहराई में जानते हैं कि आप सड़े हुए हैं। अपने आप को शुद्ध करने के लिए यीशु मसीह का लहू लें। परन्तु अब ध्यान दे, कि यह पहली संस्थागत कलीसिया है, यहां बाईबल इसके विषय में बोलती है।

और उसके माथे पर यह नाम लिखा था, ***भेद, बड़ा बाबुल, पृथ्वी की वेश्याओं और घृणित वस्तुओं की माता।***

55 अब ध्यान दे। हम सहमत होंगे। और रोमियो की अपनी पुस्तकें, कैथोलिको की अपनी पुस्तकें, सहमत हैं कि यह रोमन कलीसिया है। उनकी अपनी पुस्तकें इसके साथ सहमत हैं। मेरे पास वह है जो *फैक्ट ऑफ़ आवर फैथ* कहलाता है, केवल पादरियों से संबंधित है। एक कैथोलिक मेरे उसमें परिवर्तित हुई थी... जो कि उसका लड़का एक पादरी था, और उस महिला ने मुझे वह पुस्तक दी। तब उसने उससे कलीसिया में बातें की; वह इसके लिए आई थी, और मैं उसे यह नहीं लेने दूंगा। मैंने यह प्रमाण के लिए रखी हुई है, आप जानना चाहते हैं कि मैं क्या बात कर रहा था। जब मैं कोई बात कहता हूं, तो मुझे वह मालूम होना चाहिए। कि परमेश्वर मुझे इसके लिए उत्तरदाई ठहरायेगा।

56 और स्मरण रखे वह "**बाबुल का भेद**" कहलाई। हम जानते हैं यह कैथोलिक कलीसिया है। परंतु, ध्यान दें, वह "**वैश्याओं की माता है।**" वैश्या क्या होती है? वही जो वह है, वैश्या या व्यभिचारिणी। अब, यह संस्थाएं कहां से आई? वहां उनकी मां है। वे आरम्भ से ही, यही तो है। तब आप कहते है, "यह मसीह विरोधी है।" यह सत्य है। तब यदि यह मसीह विरोधी है, तो फिर हमारी संस्थाओं के विषय में क्या है? वैसे ही जैसे *व्यभिचारणी* और *वैश्या,* एक ही बात है, "वैश्यावृति करना, व्यभिचार करना," गलत बातों को मान लेना केवल मनुष्य की बुद्धि और समझ के कारण। जैसा कि बाईबल ने कहा, "मनुष्यों की शिक्षा को आज्ञा कहकर सिखाना।" आज *कलीसिया* यही कहलाती है, जो कि परमेश्वर के राज्य के विरुद्ध है।

57 जैसे कि पुराने नियम में। इससे पहले कि वे कलीसिया बने, परमेश्वर इस्राएल के ऊपर राजा बनना चाहता था, और वह राजा था। और यद्यपि उनके पास एक नबी था, शेमुएल, एक अच्छा व्यक्ति, और जब उसने उन्हें

यह बताया, यदि वे राजा चाहते हैं। परंतु वे तो और लोगों के समान होना चाहते थे। वे फिलिस्तिनियो के समान होना चाहते थे।

58 प्रोटेस्टेन्ट लोगों के साथ यही बात है। वे केवल बहुत अच्छे ही नहीं बने रहना चाहते। वे... जब चालीस वर्ष पहले पीछे उन पर पवित्र आत्मा उतरा, और सामर्थ उन पर उंडेलना आरंभ हुई, और उन्होंने नाचना और चिल्लाना आरंभ कर दिया, और अन्य–अन्य भाषाओ मे बोले, वे इसे ऐसे ही नहीं रहने देंगे। उन्हें इसे संस्थागत करना था। तब एक आता है, और वे उन्हें सामान्य सभा कहते हैं। फिर और दूसरा आता है, यीशु मसीह के नाम पर थोड़ा सा उजियाला लेकर, और उन्होंने उन्हें "नई विचारधारा" कहा और उन्हें बाहर निकाल दिया। तब उन्होंने संस्था बना ली जिसे पी. ए. ऑफ जे.सी., पेंटीकोस्टल एसम्बली ऑफ जीसस क्राइस्ट कहा। उनके मध्य में थोड़ा सा विवाद आ गया, कि वह सफेद घोड़े पर आया था वह कैसे आ रहा है, और उन्होंने दूसरी संस्था बना ली, जो कि पी. ए. ऑफ़ डब्ल्यू. कहलाई, पेंटीकोस्टल असम्बली ऑफ वर्ल्ड। ओह, प्रभु, प्रभु! तब चर्च ऑफ गॉड आता है। और वे भविष्यवाणी के द्वारा टूट गए, फिर से संस्थागत हो गए। हर बार आप यह करते हैं, आप परमेश्वर की इच्छा से बाहर चले जाते हैं। एक मसीह विरोधी आत्मा!

59 परमेश्वर की कलीसिया स्वतंत्र है। परमेश्वर की कलीसिया सीमाओं से बंधी हुई नहीं है, क्योंकि, समुद्र से समुद्र तक यह वही परमेश्वर के लोग हैं, इस पृथ्वी पर जो उसके हैं। चाहे वे कैथोलिक में, प्रोटेस्टेन्टो, या वह जो भी है, परमेश्वर सच्चे हृदय को खोजता है। और हम विश्वास के द्वारा बचाए गए हैं, उसके ऊपर विश्वास करने से। यही कलीसिया है। अब, आप देखते है, कलीसिया कोई संस्था नहीं है।

60 और हर बार जब आप संस्था को देखते हैं, केवल सदस्य तो उस पर, "मसीह विरोधी" लिखा था। यह यहां इस बाईबल में है। यह इतना ही स्पष्ट है जितना कि मैं इसे पढ़ सकता हूं। मेरे—मेरे पास कितने ही प्रिय मित्र हैं जो यहां पर बैठे हैं, संस्था से संबंध रखते हैं, मैं नहीं कहता कि आप मसीह विरोधी हो। मैं आपको यह नहीं कह रहा हूं। परंतु इस सब बात के पीछे, और यह ऐसा लगता है कि शैतान ने इसको ऐसे घुमा दिया है कि जब तक कि आपके पास कुछ ऐसा ना हो या वे आपको प्रचार नहीं करने देंगे।

यही वह बात है जो राष्ट्रों में है। आप बिना राष्ट्र वाले मनुष्य नहीं हो सकते। कहीं ना कहीं आपका देश होना चाहिए। या तो आपको अमरीकन, जर्मनी, या कुछ होना ही है। देखो, यह सब कुछ घुमा दिया है।

61 इसलिए, सही में, वास्तविक नया जन्म पाया हुआ मसीही लगभग एक घुमक्कड़ होता है। संसार की दृष्टि में वह आवारा होता है। परंतु परमेश्वर की दृष्टि में वह मूल्यवान है। इच्छा थी की इब्रानियों 11 में जाने के लिए समय होता, और देखिए (कैसे) वे विश्वास के योद्धा। कैसे अब्राहम बाहर निकला और स्वयं को परदेसी और अपरिचित, कहा कि यह संसार उसका घर था, परंतु वह भटक रहा था, उस नगर की खोज में था जिसको जिसका बनाने और जोड़ने वाला परमेश्वर था। "और यदि हम, मसीह में मरे हुए है, हम अब्राहम के वंश के हैं, और प्रतिज्ञा के द्वारा, उसके वारिस हैं।" और हमें यह क्या बनाता है? परदेसी और घूमने वाला।

62 जब इस्राएल मिस्र से बाहर निकल कर आया। वहां पर मोआब, एक बड़ा संस्थागत देश था। वहां एसाव भी था, महान संस्थागत राष्ट्र। और यहां इस्राएल था, एक असंप्रदायिक, आ रहा था। वे दोनों ही, मूल रूप से, वचन में। स्मरण रखिए, बालाम ने वही बलिदान चढ़ाया जो इस्राएल ने चढ़ाया, सात वेदियां, परमेश्वर की मांग। सात शुद्ध बलिदान, सात मेढ़े, धर्मी के आगमन के लिए बोल रहे हैं। मूल रूप से, वे दोनों ठीक थे, मूल रूप से बोल रहा हूं। परन्तु बालाम क्या देखने में असफल रहा, वह इस्राएल के मध्य में, अलौकिक को देखने में असफल रहा। वह अंतर नामधारी झुंड जाने के लिए कोई स्थान नहीं वे घूम रहे थे, परंतु वे कहीं अपने मार्ग पर थे।

63 इसी प्रकार से आज जीवित परमेश्वर की कलीसिया है। यह असंस्थागत है, जहां तक संसार का संबंध है। परंतु यह संस्था के बंधन से बंधी हुई नहीं है, परंतु यह सामर्थ और यीशु मसीह के आत्मा के द्वारा प्रेम के बंधन से बंधी है।

64 एक मैथोडिस्ट, बैपटिस्ट बनाते हैं और एक दूसरे की पीठ थपथपाते हैं, और कहते हैं, "मेरे मूल्यवान भाई," जब वे देखते हैं कि वे और एक साथ नहीं चल सकते जब तक वे एक दूसरे से सहमत ना हो।

लोग कहते है, "क्या आप मसीही है? "

65 "मैं बैपटिस्ट हूं।" यह तो कैसे भी प्रश्न का उत्तर नहीं है। "क्या मैं एक मसीही हूं? मैं पेंटीकोस्टल हूं।" यह प्रश्न का उत्तर नहीं हुआ।

66 यदि आप एक मसीही हैं, तो आप नया जन्म पाई हुई सृष्टि हैं। आप परमेश्वर के रहस्यमय राज्य में—में है। आपकी आंखें संसार की चीजों पर नहीं है, केवल एक चीज ऊपर। और वह जब आप कलीसिया में होते है। यह कलीसिया हैं। यह एक संस्था नहीं है। यह एक संस्था कभी नहीं हो सकती। मुझे इतिहास में ले चलिए। जीवित परमेश्वर की कलीसिया कभी भी निश्चित झुण्ड नहीं हो सकती। यह कभी भी संस्थागत नहीं हो सकती। इसे तो रहस्यमयी देह होना ही है, वह पवित्र आत्मा। यदि हमें थोड़ा समय मिला, तो हम इसे देखेंगे।

67 अब, अब आप देखिए कि *कलीसिया* का क्या अर्थ है? *कलीसिया* का अर्थ "बाहर बुलाया हुआ" झुंड है। एक बाहर बुलाए गए लोग जो कि केवल मस्सा किए हुए राज्य के राजा द्वारा नियंत्रित किया जाता है। ओह, क्या यह बहुत अच्छा नहीं है? मुझे यह अच्छा लगता है। जब मैं इसे पढ़ता हूं... आज। और जब यह वहां कहां गया, "वह राज्य, वह मस्सा किया हुआ राज्य।" लेखक ने इसे, "मसीह का राज्य" लिखा है। लेखक ने यह भी कहा है, "जीवित परमेश्वर की कलीसिया कभी संस्थागत हुई हो ऐसी कोई चीज नहीं है। संस्था तो वह है जो कोई चीज अपनाई गई हो, किसी चीज में अपनाई गई हो, किसी स्थान को लेना।"

68 यह बिल्कुल उसी प्रकार से है जैसे यह झूठी शिक्षाएं अंदर लाई गई, कि सच्ची वाली का स्थान ले। यही कारण है कि उस स्त्री के हाथ में अशुद्ध और घृणित वस्तुओं से भरा हुआ कटोरा है। अब, आप देखिए, मैं यह नहीं कह रहा हूं... पेंटीकोस्टल भी वैसे ही दोषी है जैसे कैथोलिक, या पिलग्रिम होलीनेस, या नाजरीन, या बैपटिस्ट, या मैथोडिस्ट। परन्तु, इन सब नामधारी कलीसिया में, परमेश्वर के बालक हैं। वे इस रहस्यमयी राज्य के हैं। वे केवल एक ही चीज के लिए प्रतीक्षा कर रहे हैं, कि *कुछ* घटित होते हुए देखें, जो कि उनके हृदय को उसमें खींच लेगा। आज रात्रि में यह जानकर अति प्रसन्न हूं कि वे पूरब, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण से आ रहे हैं, स्वयं को बाहर निकाल रहे हैं, आराधना कर रहे हैं, प्रभु के आगमन की प्रतीक्षा कर रहे हैं। बाईबल कहती है कि वे अंतिम दिनों में यही करेंगे। यह बिल्कुल ठीक बात है। और कहा, "वे पूर्व से पश्चिम को, उत्तर से दक्षिण को भागेंगे, कि परमेश्वर के सच्चे वचन को खोजें; रोटी और पानी का अकाल ना होगा, परंतु परमेश्वर के वचन को सुनने का होगा।"

69 वे आप से चाहते हैं कि, "आकर *इसमें* सम्मिलित हो जाएं। *उसमें* सम्मिलित हो जाएं।" ऐसा कुछ नहीं है कि आप उस में मिल जाए। परमेश्वर के राज्य में, कोई भी ऐसी चीज नहीं है जिसमें आप सम्मिलित हो जाएं। यह तो कलीसिया में उत्पन्न होने का अनुभव है, ना की उसमें सम्मिलित होना। अब, एक मिनट में मैं इस पर थोड़ा सा और ले लेता हूं। मैंने यहां थोड़े से और पवित्र लेख लिख रखे हैं।

70 परंतु अब हम दूसरे विचार पर चलेंगे, इसलिए हम इन सब में होकर निकलने का यत्न करते हैं। इसे किसने व्यवस्थित किया है, इस रहस्यमयी देह को? इसे किसने आरंभ किया? यीशु मसीह ने। और यह... वह इस रहस्यमयी देह का सिर है। वह इसके ऊपर राजा है, अपने राज्य में अपनी इच्छा पूरी कर रहा है। ना की बिशप का नियंत्रण या चर्च बोर्ड का नियन्त्रण है; परंतु एक राजा, जो कि स्वयं मसीह है अपने राज्य में कार्य कर रहा है। यह कब आरम्भ हुआ? पेंटीकोस्ट पर। पेंटीकोस्टल संस्था नहीं; पेंटीकोस्टल का अनुभव। यह तब आपके साथ आरंभ हुआ। उसने अपने आने की बात कही। उसने बताया कि क्या घटित होगा। उसने बताया कि वह आ रहा था।

71 अब यदि हम चाहे तो लूका 24वां अध्याय 49वां पद निकाले, और हम यहां देख सकते हैं, थोड़े से वचन पढ़ना आरंभ करूं ताकि यह लोग जो इसे लिख रहे हैं लिख सके। लूका 24:49, हम देखेंगे कि उसने क्या कहा।

> *और, देखो, जिसकी प्रतिज्ञा मेरे पिता ने की है, मैं उसको तुम पर उतारूंगा: परंतु जब तक स्वर्ग से सामर्थ ना पाओ,* तुम *इसी नगर यरूशलेम में ठहरे रहो।*

72 अब उसने एक कलीसिया के आने की प्रतिज्ञा की है, आने वाला राज्य की। अब प्रेरितों के कार्य 1:8 निकाल ले। अब, स्मरण रखें, उसने मत्ती 16:18 में कहा है "इस पत्थर पर," वह अपनी कलीसिया बनाएगा, "और अधोलोक के फाटक उसके ऊपर प्रबल नहीं होने चाहिए।" हम इसे थोड़ी देर में लेने जा रहे हैं, जब हम दूसरे विषय पर जाएंगे। प्रेरितों के काम 1:8।

> *परंतु जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा, तब... तुम सामर्थ को पाओगे: और तुम यरूशलेम,... और सारे यहूदियों,... और सामरिया में, और पृथ्वी के छोर तक मेरे गवाह होंगे।*

73 गवाहों का आने वाला राज्य: उसके पुनरुत्थान के गवाह, उसकी सामर्थ के गवाह, उसके गवाह कि वह जीवित है। "तुम मेरे गवाहों हो," अब, प्रेरितों के काम 1:8।

74 तब हम इफिसियों में यह पाते हैं, 1ला अध्याय, 22वां पद, आप जो लिख रहे हैं। यहां पर लिखने के लिए बहुत है, परंतु इसे पक्का करने के लिए और आपको निश्चित करने के लिए... आप समझ रहे हैं। ठीक है। इफिसियों का 22वां पद, 1ला अध्याय।

> *और सब कुछ उसके पांव तले कर दिया* (यह मसीह है), *और उसे सब वस्तुओं पर शिरोमणि ठहरा कर कलीसिया को दे दिया,*
>
> *यह उसकी देह हैं,* और *उसकी परिपूर्णता है जो सब में सब कुछ पूर्ण करता है।*

75 कौन इस कलीसिया को सुव्यवस्थित करता है। बिशप नहीं, मनुष्यो का झुंड नहीं, पोप नही, कोई मनुष्य द्वारा सामर्थ नहीं। परंतु यीशु मसीह अपने राज्य के विषय में बता रहा है जो उसकी सामर्थ में आ रहा है। "कुछ यहां पर खड़े है... " मत्ती का 16वां अध्याय, "मैं तुमसे सच कहता हूं, कुछ जो यहां खड़े हैं मृत्यु को तब तक ना देखेंगे वह जब तक ना मरेंगे जब तक राज्य को सामर्थ में ना आते देखेंगे।" उसके कुछ दिनों के पश्चात वह क्रूस पर चढ़ा दिया गया, और पवित्र आत्मा उतरा। "यहां पर कुछ खड़े हैं, वह मृत्यु को तब तक ना देखेंगे जब तक वे परमेश्वर के राज्य को ना देख ले।"

76 "क्या तू राज्य को इसी समय फेर देगा? " यहूदियों ने उससे पूछा।

77 उसने कहा, "समय को जानना तुम्हारा काम नहीं है या कालों को, जो कि पिता ने अपने विचार में रखा है। परंतु तुम सामर्थ प्राप्त करोगे।" प्रेरितो के काम 1, "जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा तब तुम सामर्थ प्राप्त करोगे।" तुम सामर्थ प्राप्त करोगे तुम्हारे बिशप बनने के बाद, तुम्हारे प्रचारक बनने के बाद, तुम्हारे पोप बनने के बाद, तुम्हारे याजक बनने के बाद? "तुम सामर्थ प्राप्त करोगे जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा।" इसी गवाही को परमेश्वर ढूंढ रहा है, पवित्र आत्मा आने के बाद एक गवाही। यह गवाही नहीं कि मैं बिशप हूं, यह गवाही नहीं कि मैं पास्टर हूं। परंतु एक गवाही (किस चीज की?) जीवित हो उठे राजा की। यह जीवित परमेश्वर की सच्ची गवाही है। ठीक है।

78 और कुलुस्सियों 1:17 और 18 में भी, हम इसे थोड़ी देर के लिए बढ़ सकते हैं। कुलुस्सियों 1:17 और 18 पद।

> *और वही* जो *सब वस्तुओ में प्रथम है, और सब वस्तुएं उसी में स्थिर हैं।*
>
> *और वही देह अर्थात कलीसिया का सिर है:* वो कौन है, *वही आदि है, और मरे हुओं में से जी उठने–वालों पहिलौठा; कि सब बातों में वो प्रधान ठहर सके।*

79 कलीसिया का सिर कौन है? यीशु मसीह। यह कौन सा राज्य है? मसीह का राज्य, कलीसिया, एक संस्था नहीं; एक कलीसिया एक रहस्यमयी देह जिसका मसीह सिर है। ओह, मुझे यह अच्छा लगता है, आत्मा में चल रहा है, राजा की बात को मान रहे हैं। संसार के लिए मूर्ख; परमेश्वर की दृष्टि में मूल्यवान। आत्मा में चल रही है; गलत समझी गई, उपहास उड़ाया गया, हंसी उड़ाई गई। "यीशु मसीह में जो भक्ति का जीवन बिताते हैं वे दुःख उठाएंगे। यदि उन्होंने भविष्यव्यक्ताओ को सताया जो तुमसे पहले थे, बनाने वाले स्वामी को—बनाने वाले स्वामी को, 'बालजबूब,' कहा तो फिर वह उसके चेलों को बहुत कुछ ना कहेंगे? " परंतु आप आत्मा में चल रहे हैं, संसार की वस्तुओं की ओर से अलग हो रहे हैं किसी बेड़ी से बंधे हुए नहीं है। "जिसे पुत्र स्वतंत्र करें वह वास्तव में स्वतंत्र है।" आमीन। यह जीवित परमेश्वर की कलीसिया है। यही है जिसे उसे बनाया है।

80 अब हम गवाही में देखते है, प्रेरितों के काम 1:8 में, उसने कहा, "तुम मेरे गवाह होंगे, जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा।"

81 कलीसिया क्या है? मसीह की रहस्यमयी देह। कौन इसे सुव्यवस्थित करता है? प्रभु यीशु, स्वयं। यह रोम में व्यवस्थित नहीं की गई। ना ही इंग्लैंड में, जॉन वैसली के द्वारा व्यवस्थित की गई। ना ही केल्विन के द्वारा व्यवस्थित की गई थी, या अमेरिका में, बैपटिस्ट, जॉन स्मिथ के द्वारा। ना ही कैलिफोर्निया में, पेंटीकोस्टल के द्वारा इसे व्यवस्थित किया था। यह यीशु मसीह के द्वारा, मसीही राज्य के राजा के द्वारा। यही है जिसने इसे व्यवस्थित किया। वह राजा है। वह राजा होना चाहता है। वह हम पर राज्य करना चाहता है। वह प्रभु बनना चाहता है।

82 लोग उसे भीतर आने दें, कहे, "मैं उसे अपना बचाने वाला होने दूंगा," परंतु वे उसे प्रभु नहीं होने देना चाहते। *प्रभु* का अर्थ "स्वामी है, गुण रूप में राज्य करने वाला।" "प्रभु, मेरे हृदय में आ, मुझे नर्क से बचा, परंतु यह मत बता कि क्या करना है।" लोगों की यही मनोवृति है। यही कारण है। कोई आश्चर्य नहीं कि बाईबल ने कहा, "सारी मेजे उल्टीयो से भरी है।" आप जानते हैं कि उल्टी क्या होती है। "जैसे कुत्ता अपनी उल्टी की ओर मुड़ता है।" यदि इन संस्थाओ ने पहली बार कार्य नहीं किया, और परमेश्वर को इन्हें उल्टी कर बाहर फेंकना पड़ा; उनके पास वापस जाएं, वह आपको फिर से उल्टी करवाएंगे। उसने कहा, "मेरी इच्छा थी कि तू या तो ठंडा या गर्म होता। क्योंकि तू गुनगुना है, मैं तुझे अपने मुंह में से थूक दूंगा।" तू परमेश्वर को पेट से बीमार कर रहा है, और वह हम उगल देता है।

83 मुझे कोई भी संस्था ऐसी बताए जो कभी गिरी हो, और फिर कभी उठी हो। मुझे इतिहास से दिखाएं कि ऐसा कहां हुआ। एक मनुष्य एक सेवकाई के साथ खड़ा होगा, परमेश्वर उस व्यक्ति को आशीष देगा। पहली बात आप जानते हैं, वह वापस घूमेगा और लोगों में जाएगा और उसमें से संस्था बना देगा, और यह उसे वही मार डालता है। इतिहासों में देखिए और मालूम कीजिए कि एक भी कभी ऊपर उठा। एक भी नहीं, क्योंकि यह लोगों में मसीह विरोधी आत्मा है।

84 जैसे कि मूसा और उन्होंने चाहा कि वे स्वयं से कुछ कर सकते है, "प्रभु, इस वर्ष हमारे पास बहुत सारे सदस्य हैं।" इससे क्या अंतर पड़ता है, कि आपके पास कितने सदस्य हैं? हम कलीसिया के सदस्य को नहीं ढूंढ रहे हैं। हम मसीह की देह के अंगों को ढूंढ रहे हैं, जो परमेश्वर के राज्य में जन्मे है, "मनुष्य की इच्छा के द्वारा नहीं, परंतु परमेश्वर की इच्छा के द्वारा," मनुष्य की आत्मा के द्वारा नहीं या मनुष्य की बुद्धि से।

85 पौलुस ने कहा, "मैं तुम्हारे पास मनुष्य के ज्ञान के साथ नहीं आया। मैं तुम्हारे पास परमेश्वर के आत्मा के साथ आया हूं और उसके पुनरुत्थान की सामर्थ के साथ, ताकि तुम्हारा विश्वास बुद्धि पर आधारित ना हो और मनुष्य की लुभावनी वाले बातों पर नहीं, परंतु यीशु मसीह की पुनरुत्थान की सामर्थ।" जिसमें कि वह आया। परमेश्वर हमारी सहायता करें कि हम भी वही करें।

86 अब, मैं हर एक पर बहुत अधिक समय नहीं लगाना चाहता। अब मैं मालूम करना चाहता हूं: इस कलीसिया का संदेश क्या है? इस कलीसिया को क्या सिखाना चाहिए? इसका संदेश क्या है?

पहला सन्देश जो मैं सोच सकता हूं, कि यह कलीसिया (रहस्यमयी देह) सिखाएगी, वह प्रायश्चित होगा। आइये लूका 24 फिर से निकाले, थोड़ी सी देर के लिए। लुका का 24वां अध्याय। पहली बात जो कलीसिया को करनी है, कि प्रायश्चित करें, और यह प्रायश्चित सिखाएगी। अब, यीशु, जाने को है, यह अंतिम अध्याय हैं, जब वह इस पृथ्वी को छोड़ने पर हैं। लूका 24:46, आइये 46वे पद से आरंभ करें।

और उसने उन से कहा, यो लिखा है, और मसीह दुःख को उठाएगा, और तीसरे दिन मरे हुओं में से जी उठेगा:

और मन फिराओ का और पापों की क्षमा का प्रचार...

ओह, मैं इसे अन्दर ले लेना चाहता हूं, क्योंकि एक मिनट में मैं किसी चीज पर आ रहा हूं, "पापों का मोचन।"

... परमेश्वर के लिए प्रायश्चित और *पापों की* क्षमा, *जगत में उसके नाम में प्रचार की जानी चाहिए, यरूशलेम से आरंभ करके।*

और तुम इन सब बातों के गवाह होगे।

87 यही कलीसिया का संदेश है, संदेश की गवाही है। पश्चाताप और पापों की क्षमा का प्रचार सभी राष्ट्रों में किया जाना चाहिए, यह यरूशलेम में आरंभ होगा। ओह, महिमा हो! संगठनों की शुरुआत कहाँ से हुई? यरूशलेम? नहीं, श्रीमान, रोम से। यरूशलेम में क्या शुरूवात हुई? पवित्र आत्मा का बपतिस्मा; पापों की क्षमा के लिए यीशु के नाम में बपतिस्मा; परमेश्वर के प्रति पश्चाताप। यह यरूशलेम से आरंभ होता है और सभी राष्ट्रों तक जाना है। हाल्लेलुय्या! क्या आप इसे देखते हो? "मसीह का दुःख उठाना आवश्यक था," पवित्र वचनों ने कहा। यह वही है जिसके विषय में भविष्यवक्ता ने कहा। यही वह है जिसके चारों ओर पूरी बाईबल घूमती है। और निश्चय ही वह जानता होगा कि क्या सिखाना चाहिए। वह जानता होगा कि क्या किया जाना चाहिए। और उसने कहा, "प्रायश्चित और पापों की क्षमा को गवाही के लिए सारे जगत में प्रचार किया जाना चाहिए, यरूशलेम से आरंभ करके।"

अब संस्थाए रोम से आरंभ हुई। संस्थागत कलीसिया रोम से आरंभ हुई; मार्टिन लूथर के लिए जर्मनी में आए; फिर इंग्लैंड वैसली के लिए; फिर संयुक्त राज्य में जॉन स्मिथ के लिए; कैलिफोर्निया, पेंटीकोस्टल के लिए।

परन्तु कलीसिया यरूशलेम में आरंभ हुई। "परमेश्वर के प्रति प्रायश्चित, और पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा, यरूशलेम में आरंभ हुआ। और चाहिए... " "चाहिए," उसने कहा। क्या यह नहीं कहा वे सब इस पर आएंगे। "यह आरंभ होना *चाहिए*। यह समस्त संसार में जाना *चाहिए*। इसका प्रचार होना *चाहिए* था।" परंतु वहां बहुत थोड़े से थे। परंतु यही जो उसने कहा, यह संदेश, यह कलीसिया का संदेश है। मुझे वह कलीसिया दिखाओ जो प्रचार कर रही हो। मुझे बताए यह कहां है। आप इसे नहीं पाते।

88 अब यीशु राजा है, दूसरा संदेश। यीशु राजा है, और सदा तक के लिए जीवित है। मत्ती 28:20। यीशु राजा है, और सदा तक जीवित है। कलीसिया को यही सिखाना चाहिए। मत्ती 28:20।

> *उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ जिन बातों की मैंने तुम्हें आज्ञा दी है: और, देखो, जगत के अंत तक मैं* सदा *तुम्हारे साथ हूं।*

89 यह ठीक है? इब्रानियो 13:8, "यीशु मसीह कल, आज, और सर्वदा एक सा है।" यह कलीसिया का संदेश है: उसके कार्य करना, उसके पुनरुत्थान को सिद्ध करना, और उसकी गवाही देना।

अब, प्रेरितों के काम 5:32, जहां हम यह देखते हैं कि यह उनके पास था या नहीं। जैसे कि हम निकालते हैं, प्रेरितो के काम, 5वां अध्याय, 32वां पद।

> *और हम इन बातों के गवाह हैं; और पवित्र आत्मा भी जिसे परमेश्वर ने उन्हें दिया है, जो उसकी आज्ञा मानते हैं।*

90 उसके पास एक गवाही है। यूहन्ना 14:12, कलीसिया को क्या करना चाहिए, उसने इसकी शिक्षा दी है। यूहन्ना के 14वे अध्याय में, उस... और 12वे पद में, हम देखेंगे कि वह क्या कहता है। यूहन्ना 14:12, इसलिए हम इसे पढ़कर अधिकारिक बना दें। ठीक है। यूहन्ना 14, और 12वां पद।

मैं तुमसे सच सच कहता हूं, कि जो मुझ पर विश्वास रखता है, ये काम जो मैं करता हूं, वह भी करेगा; वरन इन से भी बड़े काम वो, करेगा, *क्योंकि मैं पिता के पास जाता हूं।*

91 कलीसिया का यह संदेश है। "यीशु मसीह कल, आज, और सर्वदा एक सा है," कलीसिया का राजा, कलीसिया में रह रहा है, मुर्दों में से जीवित हो कर। "कल, आज, और सर्वदा एक सा है," उन्हीं कार्यों को कर रहा है, वही कामों को कर रहा है जो यीशु ने किये। कलीसिया का यही संदेश है। यदि कलीसिया यह नहीं सिखा रही है, तो यह कोई झूठी धर्म शिक्षा दे रही है। यीशु ने उन्हें यही प्रचार करने की आज्ञा दी थी।

92 चाहे जो भी होगा? हम कैसे जानेंगे कि यदि हम ये लोग... यह कहते हैं, "खैर, मैं एक विश्वासी हूं।" आईए देखें उसकी कलीसिया को अंतिम प्राधिकार क्या मिला था, विश्वासियों के लिए, मरकुस 16। मरकुस का 16 वां अध्याय लें, और हम पाएंगे कि उसका अपनी कलीसिया के लिए अंतिम संदेश क्या था, और हम देखेंगे कि हम उसके प्राधिकार का पालन कर रहे हैं या नहीं। मरकुस 16, आइये 14वे पद से आरंभ करें।

पीछे *वह उन ग्यारह को भी जब वे भोजन करने बैठे थे दिखाई दिया,* अपने जी उठने के बाद, ...

93 सुनिए अब यहां पर कलीसिया का प्राधिकार है, सुनना, अंतिम प्राधिकार। हम स्वयं को जाचेंगे, कि हम विश्वासी हैं, या हम इस कलीसिया में हैं, या नहीं।

बाद में *वह उन ग्यारह को भी जब वे भोजन करने बैठे थे प्रकट हुआ, और* मन की कठोरता पर उलहाना दिया, *और उनके अविश्वास और मन की कठोरता पर उलहाना दिया, क्योंकि जिन्होंने उसे देखा था उन्होंने विश्वास नहीं किया... उसके जी उठने के बाद।*

94 किसी ने उसे देखा था। कोई उन्हें इस बात के विषय में बताने का यत्न कर रहा था, और उन्होंने इसका विश्वास नहीं किया। क्या यही बात आज नहीं है। हम जानते है वह जीवित हैं, हमारे पास उसके आत्मा की गवाही हमारे अंदर हैं। हम उसकी सामर्थ को सभा पर मंडराते देखते हैं, और दसियों हजार लोगों, और उनके विचारों—विचारों को और हृदयो को परखता है बिल्कुल ठीक वैसे ही जैसे उसने किया जब वो यहाँ पर था। जैसे

कि बाईबल ने कहा, "परमेश्वर का वचन।" और वह परमेश्वर का वचन है। "आदि में वचन था, वचन परमेश्वर के साथ था। और वचन देहधारी हुआ और हमारे बीच में वास किया।" "परमेश्वर वचन दोधारी तलवार से तेज और बहुत सामर्थी है, यहाँ तक गुदे–गुदे को भी काटता है, और हृदय के विचारों और भावनाओं को जांचता है।" मसीह, "जो काम मैं करता हूं तुम भी करोगे।" उसे करते हुए देखते हैं। कितनों ने उसे ये करते हुए देखा? निश्चय ही। हम जानते हैं कि वह करता है। वह यहां रहता है। वो हमारे हृदयो में है।

95 वे इसका विश्वास नहीं करते। उन्होंने तब भी इसका विश्वास नहीं किया। वे अब भी विश्वास नहीं करते। वे विश्वास करते हैं, कि, "वह मर गया, और इससे बात ख़त्म हो गयी। हमारे पास कुछ ऐतिहासिक तरह की बातें हैं, कि कोई व्यक्ति कुछ वर्षों पहले जी उठा था और कलीसिया की स्थापना की थी, और प्रश्नोत्तरी केटाकिजम लिखा, और हमने वही ले रखा है।" यह पागान है। ठीक! इसमें कोई सच्चाई नहीं है। ओह, मैं यह नहीं कहता "सत्य," कि मनुष्य इसे कर सकता है। मनुष्य इतना सच्चा हो सकता होगा। परंतु परमेश्वर अपनी कलीसिया को इस प्रकार से नियंत्रित नहीं करता। उसने यह कभी नहीं चाहा।

96 जब उन्होंने राजा मांगा, शेमुएल ने उन्हें बुलाकर और ये कहा। उसने कहा, "मैं तुमसे कुछ पूछना चाहता हूं। क्या मैंने तुम्हें कभी असफल किया? क्या मैंने तुमसे कभी कोई तुम्हारे पैसे मांगे? क्या मैंने तुम्हें प्रभु के नाम से कोई बात बताई जो की सही ना हो? परमेश्वर नहीं चाहता कि तुम्हारा कोई राजा हो। वह तुम्हारा राजा बनना चाहता है।"

97 उसने कहा, "हे शेमुएल, निश्चय ही, तुम सही हो। तुम एक अच्छे भविष्यव्यक्ता हो। तुमने सत्य को छोड़ हमें और कुछ नहीं बताया। तुमने कभी हमसे पैसे नहीं मांगे। यह बातें ठीक है। परंतु हम उन बाकी लोगों के समान होना चाहते हैं। जो भी हो, हम राजा चाहते है।"

98 शेमुएल ने कहा, "इससे तुम्हारे हृदयो पर जोर पड़ेगा और परेशानी होगी। ये हो–... वो तुम्हारे पुत्रों और पुत्रियों को ले लेगा। वह जो कार्य करेगा, उसमें उन्हें भ्रष्ट करेगा। वह ऐसा करेगा।" और उसने किया। लेकिन, फिर भी, उन्होंने राजा चाहा।

99 इसी प्रकार वे आज करते है। ओह, हमारे पास किसी प्रकार का एक नाम जुडा हुआ होना चाहिए। जब लोग हमसे पूछे तो हमें उन्हें बताना है, "हम मैथोडिस्ट है, बैपटिस्ट है।" केवल यह कहना आप *मसीही* है, यह ठीक है, "मसीह के समान।" जब वह मृतकों में से जी उठा, उन्होंने इसका विश्वास नहीं किया।

और उसने उनसे कहा, (उस महान प्राधिकार पर ध्यान दें), *तुम जाओ...*

संसार में कहाँ तक? [सभा कहती है, "सारे संसार।"—सम्पा।] "ओह, मैंने सोचा, केवल यरूशलेम।" किसी ने कहा, "चिन्ह केवल यरूशलेम में हुए।"

... समस्त संसार में, और सुसमाचार प्रचार करो...

100 कितने जानते है कि सुसमाचार क्या है? ना ही *वचन*। [भाई ब्रंहम अपनी बाईबल को थपथपाते हैं—सम्पा।] पौलुस ने कहा, "सुसमाचार हमारे पास केवल वचन में नही आया, परंतु पवित्र आत्मा के सामर्थ और प्रगटीकरण में।" सुसमाचार परमेश्वर की सामर्थ है कि वचन को कार्य में लाये जो यह कहता है यह करेगा।

"समस्त संसार में, सुसमाचार प्रचार करो।" केवल श्वेत लोगों को सुसमाचार प्रचार करो, या केवल भूरे, पीले, अश्वेत लोगो को?

... हर एक प्राणी को।

101 आमीन। "हर एक प्राणी को।" आप विश्वास करते हैं कि इसका यही अर्थ है? मैंने देखा कि परमेश्वर ने एक दिन सांड को रोक दिया। मैंने उसे देखा कि डंक मारने वाली मधुमक्खी डंक मारने से रोका। मैंने उसे बारहसिंगे को जिलाते हुए देखा, सारी रात से मरा पड़ा था। "हर प्राणी को।" आप जो कुछ भी मांगेंगे सुसमाचार उस पर प्रभावी होगा।

आप कहते हैं, "भाई ब्रंहम, यह गलत है।" यह गलत नहीं है।

102 यीशु ने उस पेड़ से कहा, "तुझे श्राप लगे। अब से कोई मनुष्य तुझसे फल ना खाएगा।" और उस पेड़ को सुसमाचार प्रचार किया गया। आमीन। व्युह! मुझे ठीक अभी धार्मिक अनुभूति हो रही है।

"हर एक प्राणी को।" अमीन। किसे प्रचार करें? "हर प्राणी को।" ओह, यदि हमारे पास इन बातों के लिए समय होता।

अब, *जो विश्वास करें और बपतिस्मा ले वह उद्धार पाएगा;...*

"ओह, मैं विश्वास करता हूं कि मैंने बपतिस्मा ले लिया है।" बहुत खुब। अच्छा है। तो ठीक है।

वह जो विश्वास करें और बपतिस्मा ले उद्धार पाएगा;... जो विश्वास ना करें वह दोषी ठहरेगा।

103 "ओह, मैं आनंदित हूं कि मैं एक विश्वासी हूं।" एक मिनट रुकिए। "और" *और* एक संयोजन या जोड़ है, वाक्यों को बांध रहा है।

और यह चिन्ह...

ओह, मैंने सोचा आप चिन्ह में विश्वास नहीं करते। यह यीशु के अपने शब्द है। उसके साथ विवाद करे।

... यह चिन्ह... (यह नही, "हो सकता है; वे कभी–कभी वे करते है।")... वे *जो विश्वास करेंगे उनके पीछे–पीछे आयेंगे;...*

104 अब हम यह देखने जा रहे हैं कि आप विश्वास करते या नहीं, यह देखने जा रहे हैं कि आपकी संस्था विश्वास करती है या नहीं। वे *कह* सकते है कि वे विश्वास करते हैं। यीशु ने कहा, "विश्वास करने वालों के यह चिन्ह होंगे।" वे क्यों उन चिन्हों का इन्कार करते हैं।

... विश्वास करने वालों के यह चिन्ह होंगे; (कितने?) *मेरे नाम से* वे *दुष्ट आत्माओ को निकालेंगे;...*

105 और आप जो दिव्य चंगाई में विश्वास नहीं रखते, आप कलीसियाये! आप समझते हैं, यह टेप हो गया है। मैं केवल आप लोगों से बात नहीं कर रहा हूं। कोई भी जो इस टेप को सुनेगा। दावा करते है कि आप परमेश्वर में विश्वास करते हैं, और प्राधिकार में विश्वास करते है, कि आपकी कलीसिया को सुसमाचार का प्राधिकार मिला है; और सबसे पहली चीज दिव्य चंगाई है।

वह कौन सी बात थी जो यीशु ने अपने चेलो को बताई जब उसने उन्हें बाहर भेजा? मत्ती 10:1, "बीमारों को चंगा करो, दुष्ट आत्माओं को बाहर निकालो।" वह अंतिम बात क्या थी जो उसने अपनी कलीसिया से कही? "बीमारों को चंगा करो, दुष्ट आत्माओं को निकालो।" अल्फा और ओमेगा; बिन्यामीन और रूबेन; पहला और अंतिम; वह जो था, जो है, और आने

वाला है; भोर का तारा; दाऊद का मूल और वंश। हाल्लेलुय्या! यही वो है। जी हां, श्रीमान।

"वे जो विश्वास करेंगे, उनके यह चिन्ह होंगे। मेरे नाम में वे दुष्ट आत्माओं को बाहर निकालेंगे।" क्या केवल यरूशलेम में? "सारे संसार में, और हर प्राणी के लिए।" क्या यह बाईबल है? यही है जो कहा गया। कलीसिया का यही संदेश है। "सारे संसार में, हर प्राणी के लिए, सुसमाचार। हर एक जन जो विश्वास करता है, उसके यह चिन्ह होंगे।"

... मेरे नाम में वे दुष्ट आत्माओं को निकालेंगे; वे नई–नई भाषा बोलेंगे;

106 और तुम बेचारे नाज़रीन उन्हें "अन्य भाषाओं" का झुंड कहते हो। यहां तक कि आप उनके साथ आराधनालय में भी नहीं बैठोगे। क्या यह बुरी बात नहीं है? तब आप क्या करोगे जब आप स्वर्ग में पहुंचेंगे? यीशु अन्य भाषा में बोलता हुआ मर गया। उन्होंने कहा, "वह बोला, और वह अन्य भाषा में बोला।" निश्चय ही। वो बोला। "वह इब्रानी में बोला।" वह उसमें नहीं बोला। यह इब्रानी लेख नहीं है। वो स्वर्गीय भाषा में बोला।

107 जब—जब हाबिल ने अपना मेमना चट्टान पर बलिदान किया, जब वह छोटा मेमना मर रहा था, वह गर्दन पर से काट रहा था। मसीह की एक प्रतिछाया, वहां अदन की वाटिका में, छोटा मेमना अन्य भाषा में चिल्ला रहा था, जब वो मर रहा था। ये नमूना था, जैसे की उसका अपना ऊन अपने ही लहू में भीगा हुआ था। यह परमेश्वर के पुत्र का प्रतीक है जो वहां कलवरी पर लटका हुआ है, टुकड़ों में काटा गया, हमारे पापों से, मर रहा है, अन्य भाषा में बोलते हुए, "मेरे परमेश्वर, मेरे परमेश्वर, तूने मुझे क्यों छोड़ दिया? "

108 कलीसिया का यही संदेश है। "मेरे नाम में वे दुष्ट आत्माओ को निकालेंगे; वे नई–नई भाषाएं बोलेंगे।" यही है जो उसने कहा। कलीसिया का यही संदेश है। उसने कलीसिया से यही करने के लिए कहा, "कि दुष्ट आत्माओं को बाहर निकालें, वे नई–नई भाषा बोलेंगे।"

वे सांपो को उठा लेंगे; और यदि वे कुछ नाशक वस्तु भी पी जाए तो उनकी हानि ना होगी; वे... बीमारो पर हाथ रखेंगे,... और वे चंगे हो जाएंगे।

109 कलीसिया का यही प्राधिकार है। यही वास्तविक, विश्वास करने वाली कलीसिया है।

क्या ऐसा मैथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेसबीटेरियन, कैथोलिक, लूथरन, नाजरीन, पिग्रिम होलीनेस में सिखाया जाता है? नही, श्रीमान। वे इसका इनकार करते हैं। महिमा हो! क्यों? वे संस्थागत है, और वे इसे नहीं कर सकते। वहां उनमें बहुत से सदस्य है जो इसका विश्वास करते हैं, परंतु वह इसके विषय में कुछ नहीं कह सकता, क्योंकि वह निकाल दिया जाएगा। यही एक मसीह विरोधी आत्मा है, उनमें संस्थागत हो गई।

जीवित परमेश्वर की कलीसिया परमेश्वर की आत्मा से स्वतंत्र जन्मी है, इसे किसी भी प्रधानता की आवश्यकता नहीं है। वे मसीही राज्य के राजा का अनुकरण करते हैं। उन्हें लोगों की बातों को लेने की आवश्यकता नहीं होती है। वे स्वतंत्र जन्मे है, पुत्र के द्वारा स्वतंत्र किए गए हैं जिसने उन्हें वास्तव में स्वतंत्र किया है। उनके यह चिन्ह होंगे।

110 यह सुसमाचार प्रचार किया जाएगा। इसे कौन प्रचार करेगा? परमेश्वर अज्ञानियों को लेने के लिए सक्षम है। परमेश्वर सक्षम है कि पत्थरों से अब्राहम के लिए संतान को उत्पन्न कर दे। परमेश्वर जो चाहे वो कर सकता है। वह परमेश्वर है, और वह इसी प्रकार से करता है। जब वह आया, तो उसने कभी भी काईफस को नहीं बुलाया। उसने कभी भी एक याजक को भी नहीं बुलाया। उसने एक भी धर्म ज्ञानी को नहीं बुलाया। उसने मछुवारो, गडरियो, और अज्ञानियों और अनपढ़ों को लिया। बाईबल कहती है कि, "पतरस और यूहन्ना अज्ञानी और अनपढ़ दोनों थे।" परंतु वह उन्हें दे सकता है, और उनके द्वारा कार्य कर सकता है, परमेश्वर का राज्य, बुद्धिमानों और पराक्रमी लोगों की आँखों और दिमागों को चकरा सकता है। उन्होंने कहा, "उन्होंने ध्यान दिया कि वे अज्ञानी और अनपढ़ मनुष्य थे, परंतु उन पर ध्यान देना था, कि वे यीशु के साथ थे।" क्यों? उनके ऊपर उसका आत्मा था। वे उसके समान व्यवहार कर रहे थे। वे वही कार्य कर रहे थे जो उसने किए। उसने ठीक यही कहा था कि यही घटित होगा, मसीह का राज्य। ओह, मैं इन बातों से कितना प्रसन्न हूं। "विश्वास करने वालों के यह चिन्ह होंगे।" निश्चय ही। उनके द्वारा यह चिन्ह होंगे।

111 अब दूसरी बात जो यह कलीसिया सिखाएगी, वह दिव्य चंगाई होगी, कलीसिया का संदेश। मैंने अभी इसका उल्लेख किया है, मत्ती 10, जब

उसने अपनी कलीसिया को बाहर भेजा। आइये हम अब मत्ती 10:1 को लें, और मालूम करें, बस एक मिनट। देखें कि यीशु ने क्या कहा जब उसने अपनी कलीसिया को नियुक्त किया और उसे आरंभ किया।

> *और फिर उसने... आपने बारह चेलो को पास बुला कर,* और *उन्हें अशुद्ध आत्माओं पर अधिकार दिया, कि उन्हें* निकाले, *और सब प्रकार की बीमारियों और सब प्रकार की* दुर्बलताओ *को दूर करें।*

यह उसकी कलीसिया का पहला आदेश है।

112 अन्तिम आदेश, "सारे संसार में जाओ, और सुसमाचार प्रचार करो। वह जो विश्वास करें, बपतिस्मा ले।" जैसे होना चाहिए मैं वैसे ही उल्लेख करूं, जिस प्रकार से यह तोड़ा गया है। "समस्त संसार में जाओ, और हर राज्य में और पवित्र आत्मा की सामर्थ को दिखाओ। वह जो इस पर विश्वास करें और बपतिस्मा ले वह उद्धार पाएगा। वह जो इसका इनकार करें, दोषी ठहरेगा। विश्वास करने वालों के यह चिन्ह होंगे: वे बीमारों पर हाथ रखेंगे, वे चंगे हो जाएंगे; वे अशुद्ध आत्माओं को निकालेंगे; वे नई–नई भाषा बोलेंगे। उनके पीछे–पीछे यह चिन्ह होंगे।" अन्तिम पद में कहा:

> *और वे* वापस *आए... प्रभु उनके साथ कार्य कर रहा था,... और इन चिन्हों के द्वारा* उसके *वचन को पुष्टि कर रहा था।*

113 पहली कलीसिया इस प्रकार की थी। और सुनिए, यीशु ने कहा, "मैं दाखलता हूं, तुम डालियां हो।" और यदि डाली फल लाती है, और वह दाखलता अंगूर उत्पन्न करती है, जो अगली डाली आती है, तो वह वही उत्पन्न करेगी जो पहली वाली ने किया।

114 ओह, आप कहते है, "भाई ब्रंहम, परंतु, ठीक है, इन कलीसियाओ को देखिए, यह यह *सांटी* गई डालियां हैं।

अब आप इसमें खट्टे फल को सांट सकते हैं। आप एक संतरे के पेड़ में और उसमें नीबू को सांट सकते हैं, और वह बढ़ेगा। यही है तुम मनुष्य ने इसमें सांटा है। और यह संस्थाएं है जो मनुष्य ने सांटी हैं। यह हर समय, नीबू ही है। यह बढ़ेगा क्योंकि यह कलीसिया के नाम में लगा हुआ है। परंतु, मैं आपको बता दूं, यदि वो पेड़ अपनी दूसरी डाली उगाएगा, स्वयं से, तो वह संतरा ही उत्पन्न करेगा।

यदि परमेश्वर की सामर्थ कोई दूसरी कलीसिया बनाएगी, तो यह दूसरा पेंटीकोस्ट होगा। और इसके पीछे एक और प्रेरितो की पुस्तक लिखी जाएगी, यह ठीक बात है, क्योंकि यह परमेश्वर की कलीसिया है।

115 यीशु ने कहा, "मैं दाखलता हूं। तुम डालियां हो। तुम अपने आप से फल को नहीं ला सकते, परंतु मैं स्वयं को डालियों में डाल दूंगा।" और यह किस प्रकार का फल लाएगी? "विश्वास करने वालों के यह चिन्ह होंगे।"

116 दूसरी कलीसिया उठेगी, मसीह की रहस्यमयी देह के पास वाही चिन्ह होगे। "अब थोड़ी देर के पश्चात संसार मुझे ना देखेगा तो भी तुम मुझे देखोगे। क्योंकि मैं तुम्हारे साथ होऊंगा, तुम्हारे अंदर होऊंगा, हर डाली में, संसार के अंत तक।" यीशु मसीह कल, आज, और सर्वदा एक सा है। यही जीवित परमेश्वर की कलीसिया है। यही तो ये है। उसके पास इसी प्रकार की गवाही है।

117 अब, कलीसिया को भी बपतिस्मा का प्रचार करना चाहिए। आपका बपतिस्मा होना ही चाहिए। यह आदेश था। यीशु ने यहां मरकुस 16 में कहा। हम जरा इसका प्रयोग करेंगे। "वह जो विश्वास करें और बपतिस्मा ले।" पहले विश्वास करें, फिर अपने पापों की क्षमा के लिए बपतिस्मा ले, और तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे।

118 "और पवित्र आत्मा भी आएगा," यह कलीसिया की शिक्षा होगी। क्योंकि, यीशु ने लूका 24:49 में कहा। हम ठीक इसके समीप हैं, इसलिए हम इसे निकालेंगे, बस एक सेकंड, 49वां पद। हम ने 46वां और 47वां पढ़ा। 49वे को देखिए।

> *और देखो, जिसकी प्रतिज्ञा मेरे पिता ने की है, मैं उसको तुम पर उतारूंगा: लेकिन तब तक ठहरे रहो,* या प्रतीक्षा करो (*ठहरे रहो* का अर्थ है "प्रतीक्षा" करो) तुम *इसी नगर येरुशलेम में ठहरे रहो और जब तक स्वर्ग से सामर्थ ना पाओ।*

119 यदि मसीह ने उन मनुष्यों के झुंड को, जो उसके साथ साढ़े तीन वर्ष तक चले थे, उन्हें कोई सुसमाचार प्रचार करने को, या वे कोई सुसमाचार को तब तक ना प्रचार कर सके जब तक उन्होंने पवित्र आत्मा की प्रतीक्षा ना की, आज भी कलीसिया को वैसे ही करना चाहिए। पवित्र आत्मा के लिए प्रतीक्षा करो।

120 यहां ओरिगोन में अधिक समय नहीं हुआ कि मैं एक कैथोलिक महिला से बातें कर रहा था, और उसने कहा, "अच्छा, आपका अर्थ मुझे बताने का यह है कि उन जड़बुद्धि का झुंड जो वहां थे, जिन्हें आप प्रचार कर रहे थे, और वे चीख रहे थे और चिल्ला रहे थे, इस तरह से चल रहा था, आपका क्या अर्थ है कि वे स्वर्ग में होंगे, और स्वर्ग में राज्य करेंगे? "

मैंने कहा, "हां, महोदया।"

वह बोली, "खैर, हम ऐसी बातों में विश्वास नहीं करते।"

मैंने कहा, "क्योंकि आप परमेश्वर के वचन का विश्वास नहीं करती।"

और उसने कहा, "हम यह विश्वास करते हैं कि मरियम हमारी बिचवाई करती है।"

मैंने कहा, "यह तो बिल्कुल मूर्तिपूजक है।"

121 वह कभी भी देवी नही थी। वह एक स्त्री है। "परमेश्वर की मां, " परमेश्वर के पास भला मां कैसे हो सकती है? "मरियम की जय, परमेश्वर की मां, " परमेश्वर के पास भला मां कैसे हो सकती है? उसने परमेश्वर के पुत्र को गर्भ में रखा, मसीह यीशु। कोई भी स्त्री रचियता नहीं है। वह पुरुष के बीज को रखती है। पुरुष रचियता नहीं है। परमेश्वर जीवन को रचता है। यह तो केवल व्यवस्था का—का क्रम है, जो परमेश्वर ने बालक को उत्पन्न करने के लिए रखा है। वह, कोई परमेश्वर की मां नहीं। परमेश्वर के पास मां नहीं हो सकती, क्योंकि उसके दिनों का आरंभ या जीवन का अंत नहीं है, वह अनंत है। वह परमेश्वर की मां नहीं हो सकती।

122 मैंने कहा, "क्या हो यदि मैं आपको बताऊं कि आपकी धन्य कुंवारी, जिसे आप देवी के समान देखते हैं, क्या हो यदि मैं आपको बताऊं कि परमेश्वर उसको तब तक स्वर्ग में नहीं आने देगा जब तक कि वो उन लोगों की तरह व्यवहार ना करें जैसे उन लोगों ने पिछली रात्रि को किया? "

वह बोली, "यह सही नहीं है।"

123 मैंने कहा, "क्या आप मुझे यह बताती है कि कैथोलिक कलीसिया ने बाईबल को लिखा है, उन चेलो ने, और आपने कहा कि वे कैथोलिक थे? मैं इस बात को चुनौती देता हूं। अंतिम चेले की मृत्यु के पश्चात तीन सौ वर्ष तक कोई कैथोलिक कलीसिया नहीं थी, जब तक नीसियन सभा नहीं हुई। मुझे इतिहास का एक पन्ना दिखाए, जो भी आप चाहे; आपके धर्म की

शिक्षा नहीं, क्योंकि यह इतिहास के साथ मेल नहीं खाता। वहां ऐसी कोई भी चीज नहीं थी।" परंतु मैंने कहा, "मरियम... बाईबल यह कहती है कि मरियम, यीशु की मां और बाकी दूसरी स्त्रियां, एक सौ बीस लोगों के संग, उन सबको ऊपर की कोठरी की सीढी पर चढ़कर जाना था, और पवित्र आत्मा से भरना था, यहां तक कि वे पीने वालों के समान लड़खड़ाने लगे, अन्य भाषाएं बोलने और नशा करने वालों के समान व्यवहार करने लगे। बाईबल यही कहती है।" मैं अपनी ऊंगली उस पद पर रखता हूं। मैंने कहा, "उसे पढ़िए।"

उसने कहा, "मैं इसे नहीं पढ़ना चाहती। मुझे यह नहीं पढ़ना है।"

124 मैंने कहा, "आप ईमानदार नहीं है। यहां जहां कुंवारी मरियम ने पवित्र आत्मा को पाया, और अन्य भाषा में बोली और लड़खड़ाई जैसे नशा की हुई स्त्री हो। अब यदि आप स्वर्ग जाती है, तो आप उसके साथ नहीं जा सकती, क्योंकि उसे पवित्र आत्मा प्राप्त करना था। और यदि उसे ऐसा करना था, यीशु मसीह की मां होने के नाते तो फिर आपको इसकी कितनी आवश्यकता है!"

125 उसने कहा, "यदि मुझे इस प्रकार की चीज के साथ स्वर्ग जाना पड़े, तो मैं स्वर्ग मैं नहीं जाना चाहूंगी।"

126 मैंने कहा, "आपको अधिक चिंता करने की आवश्यकता नहीं। मत सोचिए, कि आप इस प्रकार से जा रही हैं, जब तक आप बदलती नहीं। मत सोचिए कि इसके लिए आपको चिंतित होना पड़ेगा।" यह ठीक परमेश्वर का आत्मा है।

127 "अब, तुम्हारे ऊपर पवित्र आत्मा आने के पश्चात, तुम मेरे गवाह ठहरोगे।" अब, यह क्या है? हम क्या कह रहे हैं? यह क्या है? किसने इसे तय किया है? और इसका संदेश क्या है? अब, जल्दी करने के लिए, ताकि थोड़ा सा और आगे बढे।

128 चौथी बात। हम किस प्रकार से इसके सदस्य बनते हैं? "हम इसमें कैसे सम्मिलित होते हैं? हम इसे क्या देखते हैं, अब क्या? हम इस कलीसिया में कैसे सम्मिलित होते हैं? " आप इसमें सम्मिलित नहीं हो सकते। आप इसमें सम्मिलित नहीं हो सकते। इस में सम्मिलित होने का कोई तरीका नहीं है। आप इसमें जन्म लेते हैं। मैं ब्रंहम परिवार में इकावन वर्षों से हूं,

और कभी भी इसमें जुडा नहीं। मैं जन्म से ही एक ब्रंहम हूं। और आप जन्म से परमेश्वर के पुत्र या परमेश्वर की पुत्रियां हैं।

129 आइये यूहन्ना का तीसरा अध्याय ले एक मिनट, और देखें कि इस विषय में परमेश्वर ने क्या कहा। आप इस कलीसिया में कैसे सम्मिलित होते हैं? परमेश्वर आपको क्या प्रस्तावना कथन को देता है? यूहन्ना 3रा अध्याय, 1 से 8।

फरीसियो में नीकुदेमुस नाम एक मनुष्य था, जो यहूदियों *का सरदार था:*

उसने रात को यीशु के पास आकर उस से *कहा, हे रब्बी हम जानते हैं कि तू परमेश्वर की ओर से गुरू होकर आया है: ... क्योंकि कोई इन चिन्हों को* जो *तू दिखाता है, यदि परमेश्वर उसके साथ ना हो तो नहीं दिखा सकता।*

यीशु ने उसको उत्तर दिया,... कि मैं तुझ से सच–सच कहता हूं, यदि कोई नए सिरे से ना जन्मे,...

... मैं तुझ से सच–सच कहता हूं, यदि कोई नए सिरे से ना जन्मे, वो परमेश्वर के राज्य को नहीं देख सकता।

130 आप इसमें कैसे आते है? इस में जन्म लेते हैं। आइए आगे प्रश्न को पढ़े।

निकुदेमस ने उससे कहा, *मनुष्य जब बूढ़ा हो गया, तो क्यों कर* वो *जन्म ले सकता है?...*

इस शारीरिक शिक्षक को देखिए, एक महान पुरुष, एक याजक, उम्रदार, उसने सारे जीवन बाईबल को पढ़ा।

... क्या वह दूसरी बार अपनी मां के गर्भ में प्रवेश कर सकता है, और जन्म ले?

अब, क्या यह यहां आज के बुद्धिमान शिक्षकों के समान नहीं है?

यीशु ने उत्तर दिया और उसने उससे कहा,... *मैं तुझ से सच–सच कहता हूं, जब तक कोई जल...* (हम इसके अंदर कैसे आते हों?)... *जल और... आत्मा के, वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता।*

131 "क्या जब तक वह उसमें सम्मिलित ना हो"? आप उसमें सम्मिलित नहीं हो सकते। आपको उसमें जन्म लेना है। ना कि "आओ और शामिल हो जाओ।" आओ और जन्म लो!

वह जो शरीर से जन्मा है वह शरीर है; और जो आत्मा से जन्मा है वह आत्मा है।

अचंभा ना कर कि मैंने तुझ *से* कहा *कि* तुम्हें *नए सिरे से जन्म लेना अवश्य है।*

हवा जिधर चाहती है उधर चलती *है और तू उसका शब्द सुन* सकता *है,... परंतु नहीं जानता कि वह कहां से आती है,* ना *किधर को जाती है: जो कोई आत्मा से जन्मा है वह ऐसा ही है।*

132 देखिए, आप इसमें सम्मिलित नहीं होते। यह भेद पूर्ण बात है। आप मसीह की रहस्यमयी देह में जन्मे हैं। इस प्रकार से आप इसमें आते हैं।

पहला कुरुन्थियो, 12वां अध्याय। आईए थोड़ा सा और आगे बढ़े। हमारे पास थोड़े से और हैं। यदि हो सके तो मैं जल्द ही बाहर जाने का यत्न कर रहा हूं। यदि आप थोड़ा सा... मैं जानता हूं कि यह गर्म है, परंतु हम यहां से आरंभ करें, बस एक मिनट। पहला कुरुन्थियो 12वां अध्याय, 13वां पद।

"एक बार हाथ मिलाने के द्वारा, एक प्रतिज्ञा के द्वारा। मैं महान पवित्र रोमन कलीसिया में विश्वास करने की प्रतिज्ञा लेता हूं। आकर, मुझसे हाथ मिलाओ। अपना नाम पुस्तक में लिखवाओ। एक पत्र के द्वारा, पत्र के द्वारा आओ"? आप इसे प्राचीन महिलाओं के जन्म अलमानेक पर पढ़े, परंतु आप इसे परमेश्वर की बाईबल में नहीं पढ़ते। जी हां, श्रीमान। हां।

क्योंकि एक ही आत्मा के द्वारा हम सब (सम्मिलित करके, लिखे गए हैं?) *बपतिस्मा लिया* (एक संस्था में?) *एक देह में,* जो कि मसीह कि देह है, *क्या यहूदी हो या अन्यजाति, क्या हम दास या स्वतंत्रता हो; और हम... सब को एक ही आत्मा पिलाया* गया *है।*

133 मैथोडिस्ट, बैपटिस्ट, पेंटीकोस्टल की आत्मा नहीं। परंतु, "एक ही आत्मा के द्वारा, हम सब ने इस एक ही लहू के सोते में बपतिस्मा लिया।"

इम्मेनुएल की नसों से खींचा हुआ,
जहां पापी बहाव के नीचे डुबकी लगाते,
अपने सारे दाग को धो लेते है।

मरता हुआ चोर देखकर आनंदित हुआ
उसके अपने समय के सोते को;
वहां मैं हो सकूं, यद्यपि वह जैसा घृणित ठहरा,
मेरे सारे पाप धो दिए।

134 एक देह! हम उस एक देह में कैसे आते हैं? हम उसमें कैसे प्रवेश करते हैं? "एक ही आत्मा के द्वारा हमने एक ही देह में बपतिस्मा लिया।" और जब उस देह में, स्वतंत्रत, पुनरुत्थान की गैरंटी, "परमेश्वर ने हम सब की दुष्टता उसके ऊपर डाल दिया।" ना कि, "हाथ मिलाने के द्वारा," ना कि "कलीसिया के एक पत्र के द्वारा।" परंतु, "एक पवित्र आत्मा के द्वारा; यहूदी, अन्यजाति, पीले, काले, गोरे, सभी ने एक ही आत्मा के द्वारा एक देह में लहू की उसकी खुद की वाचा के द्वारा, उसमें बपतिस्मा लिया।" "और जब मैं लहू को देखता हूं, तो तुम्हें छोड़ जाऊंगा," और तुम मृत्यु से स्वतंत्र हो, दर्द से, पाप से स्वतंत्र हो। "वह जो परमेश्वर से जन्मा है, वह पाप नहीं करता, क्योंकि परमेश्वर का बीज उसमें बना रहता है और वह पाप कर नहीं सकता।" कोई पाप नहीं।

यीशु ने कहा, "इसलिए चाहिए कि तुम सिद्ध बनो, जैसा तुम्हारा स्वर्गीय पिता सिद्ध है।" आप कैसे सिद्ध हो सकते हैं? आप यह नहीं कर सकते। आप पाप में उत्पन्न हुए, पाप में आपका जन्म हुआ, झूठ बोलते हुए संसार में आए। परन्तु जब आपने मसीह को आपके पाप को उठाने वाले के रूप में स्वीकार किया, आपने उसे विश्वास से स्वीकार किया, आप विश्वास करते हैं कि उसने आपको बचाया, और वह आपके बदले में मरा और आपके पापों को ले लिया, तब परमेश्वर आपको स्वीकार करके देह में बपतिस्मा देता है और फिर पाप को नहीं देखता। मैं कैसे भला एक पापी हो सकता हूं जब कि वेदी पर मेरे लिए एक—एक प्रायश्चित है?

135 मुझे नगर में पुलिस वाला कैसे गिरफ्तार कर सकता है, जबकि नगर का कानून मुझे किसी भी रफ्तार पर चलने का अधिकार देता है जो रफ्तार से मैं चलना चाहूं? आप मुझे गिरफ्तार नहीं कर सकते। यदि मेयर कहता है, "आदरणीय ब्रंहम, आप बीमार की बुलाहट पर जा रहे हैं। तो आप किसी

भी क्षेत्र में, किसी भी रफ्तार से चलाकर जा सकते हैं," मुझे उस स्वीकृति का पत्र दे दीजिए, ताकि कोई पुलिस वाला मुझे ना पकड़े। क्योंकि मेयर को मुझ पर भरोसा है, कि मैं जब तक आपात स्थिति में नहीं होऊंगा मैं ऐसा नहीं करूंगा।

136 और जब परमेश्वर ने मुझे ग्रहण करके और पवित्र आत्मा से मेरा बपतिस्मा कर दिया, उसको मुझ पर विश्वास है कि मैं जानबूझकर पाप नहीं करूंगा। आमीन। मैं जान बूझकर पाप नहीं करूंगा। इसलिए, उसका पुत्र मेरे लिए एक प्रायश्चित बना, और जब तक उसने मुझे धर्मी ठहराया हुआ है मैं पापी हो ही नहीं सकता और उसने मुझे अपनी देह में ले लिया है। मैं उसके साथ छुड़ाया गया हूं। ना कि जो मैं करता हूं, परंतु जो उसने मेरे लिए किया। यही सुसमाचार है।

137 इफिसियों 4:30 में कहता है, "परमेश्वर के पवित्र आत्मा को शोकित ना करो जिससे कि तुम पर छुटकारे के दिन तक के लिए छाप दी गई है।"

138 बहुत समय नही हुआ कि एक प्रसिद्ध बैपटिस्ट प्रचारक ने मुझसे कहा, कहा, "भाई ब्रंहम, अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया, और यह उसके लिए धार्मिकता गिना गया। वो परमेश्वर पर विश्वास करने के अलावा और क्या कर सकता था?" उसने कहा, "हम विश्वास करते हैं जब हमने विश्वास किया हमने पवित्र आत्मा पाया।"

139 मैंने कहा, "परंतु आप गलत हैं। आप ईमानदारी से गलत हैं। पौलुस ने प्रेरितों के काम 19 में कहा, उन बैपटिस्टो से जिनके पास एक अच्छा पास्टर था, एक परिवर्तन किया हुआ वकील, 'क्या तुमने जब से विश्वास किया पवित्र आत्मा पाया?'"

उसने कहा, "मूल वाला यह नहीं कहता।"

140 मैंने कहा, "यह, यह कहता है। मेरे पास एंफेटिक डायग्लॉट है। और वह यह कहता है हर अनुवाद के अंदर, दोनों हिब्रू और ग्रीक में। उसने कहा, 'क्या जब से तुमने विश्वास किया पवित्र आत्मा पाया?'" मैंने कहा, "यह सच है कि अब्राहम ने विश्वास किया। परंतु परमेश्वर ने उसे एक चिह्न दिया कि उसने उसके विश्वास को ग्रहण किया, एक खतने की मोहर देने के द्वारा।" यह ठीक बात है। उसने उसको ग्रहण किया, क्योंकि उसने उसे एक चिन्ह दिया कि उसने उसे ग्रहण किया है।

141 यदि आप कहते हैं कि आप विश्वास करते हैं, और अभी तक आपने पवित्र आत्मा नहीं पाया, परमेश्वर ने आपको अभी तक मोहर बंद नहीं किया, आपके अंदर अभी तक विश्वास करने के लिए विश्वास नहीं है। जब आप परमेश्वर के पास आए, परमेश्वर आपको पवित्र आत्मा से छुटकारे के दिन तक के लिए मोहर बंद करता है। और यह कलीसिया का संदेश है। आमीन। बस और थोड़ा सा आगे। तो ठीक है। अब, पहला कुरुन्थियो 12:13, "एक ही आत्मा के द्वारा हम सब ने एक ही देह में बपतिस्मा लिया।"

142 प्रेरितों के कार्य, यहां वह मार्ग है जहां से हम प्रवेश करते हैं। यहां कलीसिया का उद्घाटन है, प्रेरितों के काम, 2रा अध्याय। जब कलीसिया में पहला संदेश प्रचार किया गया, पेंटीकोस्ट के बाद, वे सब पवित्र आत्मा से भर गए थे। मरियम, और सारे चेले, पवित्र आत्मा से भर गए थे, अन्य भाषाओं में बोले, और नशा किए हुए झुंड के लोगों के—के—के समान चिल्लाए। और जब वे एक डरावने समय के अंदर थे, चिल्ला और परमेश्वर की स्तुति कर रहे थे, पवित्र आत्मा के प्रभाव में लड़खड़ा रहे थे, उन्होंने चिन्ता नही की कि वह रविवार, सोमवार, या कौन सा दिन था। उनका एक महान समय था, केवल चिल्लाते और बढ़ते जा रहे थे। क्यों, उन—उन बड़े बुद्धिमान लोगों ने कहा, "इन लोगों ने नया दाखमधु पी रखा है।"

143 अब पतरस अपने बगल में स्वर्ग की राज्य की कुंजियां लटकाए खड़ा है, पवित्र आत्मा की कुंजी। यीशु ने कहा, "पतरस मैं तुझ से कहता हूं। कि इस पत्थर पर मैं अपनी कलीसिया बनाऊंगा, और अधोलोक के फाटक उस पर कभी प्रबल ना होंगे।" यह क्या है? एक आत्मिक, प्रगट किया गया सत्य। "मांस और लहू ने तुझ पर यह प्रगट नहीं किया। तू ने इसे कभी भी धर्म विद्यालय में नहीं सीखा। किसी ने यह तुझे पुस्तक से नहीं सिखाया। परंतु यह प्रकाशन है, आप समझे। प्रकाशन! मैं कहता हूं कि तू पतरस है। मैं तुझे स्वर्ग के राज्य की कुंजी देता हूं। जो कुछ भी तू पृथ्वी पर बांधेगा, मैं उसे स्वर्ग में बाधुंगा। जो कुछ भी तू पृथ्वी पर खोलेगा, मैं उसे स्वर्ग में खोलूंगा।" उसे अपना वचन पूरा करना है। पेंटीकोस्ट के दिन बोलने वाला कौन था? पतरस, क्योंकि उसके पास कुंजिया थी।

144 और वे उस पर हंस रहे थे, कहा, "यह लोग नई मदिरा के नशे में हैं।"

145 पतरस ने कहा, "यह दिन का तीसरा पहर है, यह लोग नई मदिरा के नशे में नहीं है। परंतु यह योएल भविष्यवक्ता के द्वारा कहा गया है, वह है 'परमेश्वर ने कहा यह अन्त के दिनों में होगा, मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उंडेलुंगा। तुम्हारे पुत्र और पुत्रियां भविष्यवाणी करेंगे। मैं अपने दास और दासियों पर अपना आत्मा उड़ेलुंगा। तुम्हारे जवान दर्शन को देखेंगे। तुम्हारे बूढ़े स्वप्न देखेंगे। और मैं ऊपर आकाश में और नीचे धरती पर चिन्ह दिखाऊंगा। और ऐसा होगा कि जो कोई भी प्रभु के नाम को लेगा वो बचाया जायेगा।'"

146 "जब उन्होंने यह सुना तो उनके ह्रदय छिद गए, और वे पतरस और शेष प्रेरितों से कहने लगे, 'लोगों और भाइयों, बचने के लिए हम क्या कर सकते हैं?'" यहां यह कलीसिया का आदेश है। अब वे यह मालूम करना चाहते हैं कि कैसे इस रहस्यमयी देह में सम्मिलित हो। तो ठीक है।

147 प्रेरितों के कार्य, 2रा अध्याय, 37वे पद से आरंभ करके, उद्धाटन का उपदेश। आप इसे बदल नहीं सकते। आप इसे बदल नहीं सकते। सुनिए।

148 यदि आपका डॉक्टर नुस्खा लिखे, और आप इसे नकली दवा बेचने वाले के पास ले जाएं, आप जानते है, तो वह आपको उस नुस्खे से मार डालेगा। आप देखिए, वह डॉक्टर उसमें इतना लिखता है, क्योंकि वह इसके लिए वह प्रशिक्षित है। और वह आपको इतना विष लिखता है और वह उसमें इतना प्रतिकारक डालता है, जो उतने विष को अप्रभावित करता है। वह दूसरी दवा को गड़बड़ करने के लिए कुछ तय करता है। और यदि वह नुस्खा उस तरह से नहीं बनाया जाता है जैसे डॉक्टर ने उसे लिखा है, तो वह आपको मार देगा।

149 और, वह, परमेश्वर डॉक्टर है। वह प्राणों का एक डॉक्टर है। वह एक उद्धार का डॉक्टर है। उसने अपने खुद के धर्म ज्ञान में एक मनुष्य को शिक्षित किया है, पतरस। एक अनपढ़ जो अपना नाम भी नहीं पढ़ सकता, जब यह उसके सामने लिखा गया, परंतु उसने उसे पवित्र आत्मा दिया, और उसे पेंसिल दी कि इस विषय में धर्म शिक्षा को लिखें। इसलिए, पेंटीकोस्ट के दिन पर, उसने उसका नुस्खा लिखा। देखे कि उसने क्या लिखा, डॉक्टर शमौन पतरस, आइये देखे कि उद्धार के लिए आपका क्या नुस्खा है। चलिए देखें कि इसके लिए क्या लिखा है।

अब जब उन्होंने यह सुना तो उनके हृदय छिद गए, और वे पतरस और... शेष प्रेरितों से... पूछने लगे कि हे भाईयो हम क्या कर सकते *है?*

(देखिए, आपके पास कुंजी है।) *तब पतरस ने उन से कहा, मन फिराओ, और तुम में से हर एक अपने अपने पापों कि क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले, और तो* तुम *पवित्र आत्मा का दान पाओगे।*

क्योंकि यह प्रतिज्ञा तुम और तुम्हारी संतानों,... और उन सब दूर–दूर *के लोगों के लिए भी हैं, जिनको प्रभु हमारा परमेश्वर अपने पास बुलाएगा।*

150 यह नुस्खा है। इसका इलाज ना करें; आप अपने रोगी को मार डालेंगे। इन बहुत सारे लोगों के साथ यही मामला है, इस पर बात कर रहे हैं, "पिता, पुत्र, और पवित्र आत्मा।" वे बहुत सारे आत्मिक लोगों को मार रहे हैं, गलत चीज से इलाज करके। ऐसी कोई चीज ही नहीं है। किसी का भी बाईबल में "पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा." के नाम से बपतिस्मा नहीं हुआ। जब तक कैथोलिक कलीसिया नहीं हुई, ऐसी कोई धर्म क्रिया नहीं हुई। कैथोलिक कलीसिया इसकी जननी है। पवित्र शास्त्र में ढूंढो। इतिहास में ढूंढो और पता लगाओ। कि पहली व्यवस्था जो कभी "पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा," के द्वारा की गई, वह एक कैथोलिक पादरी था।

151 उन्होंने उन पर छिड़काव किया। छिडकाव कैथोलिक कलीसिया के द्वारा अभिषिक्त किया गया, "**वैश्याओं की माता**।" वापस सीधे "वैश्या," पर आ गए।

152 धर्म प्रश्नोत्तर यह कहता है, "क्या कोई ऐसी बात है कि जैसे प्रोटेस्टेंट कभी बचाए गए हो? " कहा, "कि हां, कभी–कभी, क्योंकि उन्होंने उस—उस कैथोलिक शिक्षा को स्वीकार किया।" वे उनकी बाईबल को नहीं लेंगे। वे "पिता, पुत्र, और पवित्र आत्मा" के नाम से बपतिस्मा लेते हैं, और इसके लिए उनके पास कोई भी वचन नहीं है। कहा, "लेकिन कैथोलिक कलीसिया ने इसे आरंभ किया है," और उन्होंने यह स्वीकार किया है। "कैथोलिक व्यवस्था के द्वारा, हो सकता है कुछ बचे होंगे।" ऐसी कोई चीज नहीं है। कभी भी किसी का बपतिस्मा इस प्रकार से नहीं हुआ। बाईबल में कभी भी किसी पर छिड़काव नहीं हुआ, या जल को उड़ेला गया हो या

कोई और विधी सिवाये, पापों की क्षमा के लिए, यीशु मसीह के नाम में पानी में डुबाना।

153 हमने थोड़ी देर पहले क्या पढ़ा था, और कहा था कि इसे बाद में लेंगे? वह, "मन फिराना और पापों की क्षमा का प्रचार उसके नाम से किया जाएगा।" कहां पर? केवल यरूशलेम में, यहूदियों में? "सारे जगत में, सब राष्ट्रों में, यरूशलेम से आरम्भ करके।" अब, डॉक्टर शमौन पतरस ने नुस्खा लिख दिया।

154 डॉक्टरो आपके विषय में क्या है, क्या आप इसमें कुछ मिलाना चाहते हैं? इसमें कुछ ना मिलाएं। जैसा है वैसा ही लें। कलीसिया के लिए यही आदेश है। इसी प्रकार से आप इसमें जा सकते हैं, "प्रायश्चित करने के द्वारा, और अपने–अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले, और एक प्रतिज्ञा कि तुम पवित्र आत्मा प्राप्त करोगे।" अब, बाईबल ने यही कहा, "कलीसिया में बपतिस्मा दिया! कलीसिया में बपतिस्मा दिया!"

155 आइए बस एक मिनट के लिए, गलतियों 3:26 पढे। हमारे पास यहाँ केवल एक, दो, तीन और बातें हैं, और फिर हम—हम बंद करेंगे। आईए अब हम गलतियों का 3रा अध्याय पढेंगे। यदि कोई भी मेरे से पहले निकाल ले, वह पढ़े। [एक बहन गलातियों 3:26 पढ़ना शुरू करती है, "क्योंकि तुम सब संतान हो... "—सम्पा।] आगे पढ़े। ["क्योंकि यीशु मसीह में विश्वास के द्वारा तुम सब सन्तान हो।"] गलतियों 3:26? ["मैं पढ़ता हूं।"]

हो सकता है मैंने यहां पर गलत पढ़ा है, यहाँ गलत लिखा है, तब। शायद कुलुस्सियों है। आइये हम कुलुस्सियों पढ़े। मैं—मैं जानता हूं मैं कहां जा रहा था। आइये देखते हैं यदि यह कुलुस्सियों 3:26 है। नहीं। इसमें 3:26 नहीं है।

तो फिर वह क्या है, गलतियों 3:26? [बहन कहती है, "हाँ।"—सम्पा।] यहां, मुझे ये मिल गया। यह ठीक बात है। बहन पढ़िए, 3:26 गलतियों, जहां से आपने पढ़ना आरंभ किया था। यहां यह 26, 27, और 28 है। अब ध्यान से सुने। [बहन गलतियों 3:26–28 पढ़ती है:]

> [*क्योंकि तुम सब उस विश्वास करने के द्वारा जो मसीह यीशु पर है परमेश्वर की संतान हो।*]
>
> [*और तुम में से जितनो ने मसीह का बपतिस्मा लिया है उन्होंने मसीह को पहन लिया है।*]

[अब ना कोई यहूदी रहा और ना यूनानी, ना कोई दास ना कोई स्वतंत्र, ना कोई नर ना कोई नारी: क्योंकि तुम सब मसीह यीशु में एक हो।]

156 हम उस देह में कैसे प्रवेश करते है? हमने यह कैसे किया? "यीशु मसीह की देह में पवित्र आत्मा के द्वारा बपतिस्मा लिया।"

157 अब, कलीसिया के संदेश की दूसरी बात कि हम कलीसिया में कैसे आते हैं, पवित्रीकरण के द्वारा। और पवित्रीकरण इब्रानियों 13:12 और 13, "यीशु ने फाटकों के बाहर दुःख उठाया, ताकि वह लोगों को अपने लहू से पवित्र करें।"

158 अब इफिसियों, अब हम इसमें चलें। हमें इसे पढ़ना होगा। इफिसियों 5:25, अब जल्दी से। इफिसियों 5:25। तो ठीक है। हम यहां 5:25 में हैं। नहीं, अब भी मेरे पास गलत है। मैंने इसे यहां पर ठीक से नहीं लिखा। चलिए देखें। "इसलिए, प्रचारक और याजक... " ओह, हां। अभी थोड़ी देर पहले, मैंने इसे जल्दी–जल्दी लिखा, इसलिए मैंने इसे गलत लिख लिया... ओह, मैंने गलत पन्ना ले लिया। यही है। आमीन। हां। तो ठीक है।

159 इब्रानियों 12 और 13, "यीशु ने फाटकों के बाहर दुःख उठाया, जिससे कि वह लोगों को अपने लहू से पवित्र कर सके।"

160 इसलिए, लोगों, यहां ऐसे हम कलीसिया के साथ आते हैं: प्रायश्चित करने के द्वारा; अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लेकर; और एक प्रतिज्ञा कि हम पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाएंगे। इसलिए, कोई भी प्रचारक हमें इसमें नहीं हिला सकता। इसलिए कोई भी याजक हमें इसमें शपथ नहीं खिला सकता। हम इसमें जन्मे हैं, मसीही राज्य के राजा के द्वारा। आमीन।

161 अब, केवल यह, क्या मैं इसका और ले सकता हूं? यहां है जो मेरे पास था। कितने लोग मेरे साथ थोडे कुछ और मिनट के लिए रुकेंगे? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] समझे? थोड़ा सा... यह नौ तीस हो गए हैं, और समय हो गया है।

162 अब, क्या हम बिना कलीसिया के स्वर्ग में जा सकते हैं? इस पर हम एक टिप्पणियां को लेंगे, क्योंकि मैंने यहां दर्जन भर लिख रखी हैं, जैसा कि आप देखते हैं। परंतु मैं—मैं... केवल एक बात, हम जान सकते

हैं। नहीं, श्रीमान। आप इस कलीसिया के सदस्य हुए बिना स्वर्ग में नहीं जा सकते।

163 अब पहली बात यूहन्ना 3:5 में, यीशु ने कहा, "जब तक मनुष्य जल, और आत्मा से ना जन्मे!" ("प्रायश्चित, और पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले, और तब आप आत्मा से जन्म पाएंगे।") पानी से जन्म लेना, आत्मा से जन्म लेना! "जब तक मनुष्य इसे ना ले, वह स्वर्ग के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता।" यहां तक की वह स्वर्ग के राज्य को देख भी नहीं सकता। तब यदि आपने पानी और आत्मा से जन्म लिया है, तो आप कलीसिया में हैं। यदि आपने जल और आत्मा से जन्म नहीं लिया है, तो आप कलीसिया में नहीं है, और स्वर्ग के राज्य को नहीं देख सकते। क्या आपको इससे कुछ समझ आता है? यह बिल्कुल सही बात है। अब, क्या आपने जाना...

164 आप कहते हैं, "भाई, भाई ब्रंहम, मैं विश्वास करता हूं," अच्छा, सुनिए, "और मैंने कभी भी पवित्र आत्मा नहीं पाया।" नहीं, आप अब भी विश्वास नहीं करते। आप बस विश्वास के *निमित* विश्वास करते हैं। आपके पास आशा है।

क्योंकि, पहला कुरुन्थियो, 12वां अध्याय, और 3रे पद में। आइए हम इसे जल्दी–जल्दी लें जबकि हम इसे बंद कर रहे हैं, यदि आप चाहें तो। पहला कुरुन्थियो 12, 12वां अध्याय और 3रा पद। और हम इसे जल्दी–जल्दी लेंगे, और—और इसे यहां से पढ़ेंगे, और देखते हैं, कि इसमें प्रभु ने हमारे लिए क्या रखा है। पहला कुरुन्थियो 12, ठीक है, और 3रा पद।

> *इसलिए मैं तुम्हें चितौनी देता हूं कि जो कोई परमेश्वर की आत्मा से बोलता है, वह नहीं कहता कि यीशु स्त्रपित है: और... ना कोई मनुष्य... पवित्र आत्मा के बिना कह सकता है कि यीशु प्रभु है।*

165 जब तक आप को पवित्र आत्मा प्राप्त नहीं होता आप इसके विषय में कुछ नहीं जानते। आप कहते हैं कि, "यीशु मसीह को मैं अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार करता हूं।" क्या आपने जब से विश्वास किया पवित्र आत्मा पाया? यदि आपने नहीं, तो आप उसे प्रभु भी नहीं कह सकते, क्योंकि वह प्रभु नहीं है। वह एक ऐतिहासिक जीवन है, जिसे आपने विश्वास के द्वारा स्वीकार किया है। परंतु जब वह आप में पवित्र आत्मा के द्वारा आता

है, तो वह आपका प्रभु है। कोई भी बिना पवित्र आत्मा के द्वारा यीशु को "प्रभु," नहीं कह सकता; जब तक आप परमेश्वर के आत्मा के द्वारा नए जन्म ना पाए, और पवित्र आत्मा आप में होता है। तब, यदि आपने इस राज्य में जन्म लिया है, और आप कलीसिया के भाग हैं। तब आप बाहर बुलाए हुए लोग हैं। आप इसे समझे? अच्छा, अब ठीक है।

166 क्या बीज में से जीवन बाहर आ सकता है, सिवाय इसके उस बीज में जीवन हो? यदि बीज का दाना भूमि में डाल दिया जाए तो एक अंकुरित होता है, और दूसरा एक अंकुरित नहीं होता। वह एक जो. अंकुरित नहीं होता, क्या ये फिर से जी सकता है? नहीं किसी भी प्रकार से नहीं। उसमें कुछ भी नहीं है। यदपि, पदार्थ के रूप में, वह उतना ही अच्छा होगा, जैसे बीज का ढांचा जैसे कि वो दूसरा होगा। वह वैसे ही अच्छी रोटी बनाएगा जैसे दूसरा बनाएगा। यह बाहरी छिलके पर उतना ही अच्छा दिखेगा जितना कि दूसरा। परंतु यदि उसके अंदर जीवन नहीं है, तो वह फिर से ऊपर नहीं आ सकता।

167 एक मनुष्य जो एक भला व्यक्ति है, एक मसीही के समान ही कलीसिया का अच्छा सदस्य हो सकता है। एक भला व्यक्ति भी वैसे ही अच्छा नागरिक हो सकता है, जैसे एक मसीही; अच्छा व्यक्ति, सभ्य व्यक्ति। परंतु जब वह मरता है, यही है, जब तक वह परमेश्वर के आत्मा के द्वारा फिर से जन्म ना लें। क्योंकि, हर चीज जिसका एक आरंभ है उसका एक अंत भी है।

168 परमेश्वर ही केवल एक है जिसमें अनंत जीवन है। इसलिए, हम परमेश्वर का भाग है, उसका जीवन प्राप्त करने के द्वारा। यीशु ने कहा, "मैं उन्हें अनंत जीवन देता हूं।" वहां ग्रीक शब्द *जोई* है जिसका अर्थ "परमेश्वर का स्वयं का जीवन।" और केवल एक ही विधी है कि आप फिर से जीवित रह सकते है कि आपके पास अनन्त जीवन हो, जो कि परमेश्वर का जीवन है, क्योंकि आपका जीवन नष्ट हो जाएगा। परंतु उसका जीवन फिर से उठेगा, क्योंकि परमेश्वर अनंत है। और आपके पास आनंद जीवन है, और... जैसे परमेश्वर नहीं मर सकता तो अब आप भी नहीं मर सकते। "वह जो मुझ पर विश्वास करता है उसके पास अनन्त जीवन है, और मैं अंतिम दिन उसे फिर जिला कर खड़ा करूंगा, उसे फिर से जिलाऊंगा।" अनन्त जीवन जो उस में है, उसे जिलाकर खड़ा करेगा।

169 अब, क्या बिना कलीसिया में हुए, आप स्वर्ग में जा सकते हैं? जब तक आप नया जन्म प्राप्त ना करें आप कलीसिया में हो ही नहीं सकते। जब तक आप नया जन्म नहीं पाएंगे आप स्वर्ग में जा ही नहीं सकते। यदि आपने नया जन्म प्राप्त किया है, तो आप कलीसिया में है। इसलिए, आप स्वर्ग में नहीं जा सकते जब तक आप इस कलीसिया के सदस्य नहीं है, और जब तक आप नया जन्म ना लें आप कलीसिया के सदस्य नहीं हो सकते।

170 और अब आपको जरा थोड़ी सी घुटन को दूंगा। और आप सदस्य भी नहीं हो सकते जब तक परमेश्वर आपको सदस्य होने के लिए ना बुलाए। अब आपको इसके लिए कितना आनंदित होना चाहिए, क्योंकि आप इसके लिए संसार के बुनियाद से पहले ही ठहराए गए हैं। और आपका नाम... व्यूह! "आपके नाम मेमने की जीवन की पुस्तक में लिखे गए थे," कलीसिया की किताब, "जगत की बुनियाद से पहले।" यही बाईबल है।

बाईबल ने कहा, "वह मसीही विरोधी है," संस्थाएं, कैथोलिक कलीसिया उन बाकी संस्थाओं के साथ, संस्थायें, "उन सब को जो धरती पर हैं भरमायेंगे, जिनके नाम पृथ्वी के रचने से पहले मेमने की जीवन की पुस्तक में नहीं लिखे गए।"

यीशु ने कहा, "सब को जिन्हें पिता ने मुझे दिया है मेरे पास आएगा।" यही उसके अपने शब्द हैं। ना कि आपने क्या किया है, परंतु जो उसने किया है।

171 आईए एक मिनट में, समाप्त करेंगे। आईए इफिसियों का 1ला अध्याय निकालें, जल्दी से। इसे सुनिए। यह पौलुस है। अब, उसे भी इस कलीसिया के साथ शुद्धता में जाना था। पौलुस इन मसीही लोगों से बात कर रहा है। यहां पर कितने मसीही लोग हैं? जरा आपके हाथ देखें। तो ठीक है। अब यह बालकों के लिए नहीं है। यह—यह जो मांस खा सकते है उनके लिए है। अब, 1ला अध्याय, देखिए वह किसको संबोधित कर रहा है।

> *पौलुस की ओर से जो परमेश्वर की इच्छा से यीशु मसीह का प्रेरित है,...* (ना ही बिशप के द्वारा नियुक्त हुआ, ना ही संस्था के द्वारा)।

... एक प्रेरित (वो एक जिसे भेजा गया) *परमेश्वर की इच्छा से, उन पवित्र* (वे जो पवित्र किए हुए संत है) *मसीह यीशु में विश्वासी लोगों के नाम, और... जो इफिसुस में हैं:*

172 वह किस को संबोधित कर रहा है? उन्हें जो कलीसिया में पहले से ही हैं। जब आप मसीह में है, तो आप उसकी देह में है। क्या यह ठीक है? तो फिर आप कलीसिया के सदस्य हैं।

हमारे पिता परमेश्वर... और प्रभु यीशु मसीह की ओर *से तुम्हें अनुग्रह और शांति मिलती रहे।*

हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता का धन्यवाद हो, कि उसने हमें मसीह में स्वर्गीय स्थानों में सब प्रकार की आशीष दी है:

173 उसने यह कैसे किया? उसने क्या किया? वे यर्दन पर पहुंचे थे। वे प्रतिज्ञा किए हुए देश में पार हो गए, वे यीशु मसीह में स्वर्गीय स्थानों में बैठे हुए थे। यह यहां पर हैं। "हमें एक साथ स्वर्गीय स्थानों में आशीष दी," वचन की शिक्षा, एक कलीसिया के नाई, वे जो बाहर बुलाए हुए हैं जो मसीह यीशु में है। "जैसा कि हम मसीह में स्वर्गीय स्थानों में बैठे हैं," जब हम मसीह यीशु में जन्म लेते है, एक कलीसिया के समान। "पवित्र किए हुए, बाहर बुलाए गए," ओह, प्रभु, वो किसी को कुछ तो सिखा सकता है। कुरुन्थियो के साथ बहुत गड़बड़ थी, परंतु इस कलीसिया के साथ नहीं। वह इन्हें बड़ी–बड़ी चीजें सिखा सकता है। तो ठीक है।

हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता का धन्यवाद हो कि उसने हमें मसीह में सब प्रकार की आशीष दी है...

मेरे अंतिम दो संदेश स्मरण रखें?

... स्वर्गीय स्थानों में सब प्रकार की आशीष दी है:

अनुसार...

सुनिए। अब यह आपको हिला दे।

जैसा कि उसने हमें (भूतकाल) *उस में चुन लिया...*

"पिछली बेदारी में"? क्या मैंने यह ठीक पढ़ा? [सभा कहती है, "नहीं।"—सम्पा।]

जैसा कि उसने हमें जगत की उत्पत्ति से पहले उसमें चुन लिया, *जगत की उत्पत्ति से* पहले *कि,...* (इधर देखिए।)... *जगत की उत्पत्ति से पहले, कि हम उसके निकट प्रेम में पवित्र और निर्दोष हो पहिले से ठहराया:*

पहले से ठहराया पी–आर–ई–डी–ई–एस–टी–आई–एन–ए–टी–ई–डी...

174 हमने क्या किया? कुछ भी नहीं। जो कुछ भी उसने किया है मैं उसे देख रहा हूं। उसने यह कब किया? हमें चुना, हमारे नाम अपनी पुस्तक में लिखें, अपनी कलीसिया की पुस्तक में, कि उस रहस्यमयी देह के सदस्य हो जाएं, इससे पहले कि संसार का कभी आरंभ हुआ हो।

और *अपनी इच्छा कि सुमति के अनुसार हमें अपने लिए पहले से ठहराया कि यीशु मसीह के द्वारा हम उसके लेपालक पुत्र हो, उसकी* अपनी खुद की*इच्छा की सुमति के अनुसार,*

175 व्यूह! भाई आपको इस कलीसिया में होना ही है, यदि आप इसे कर लेते हैं, क्योंकि वह एक कलीसिया के लिए आ रहा है। किस प्रकार की कलीसिया? "जो बिना दाग की, या बिना झुर्री की एक कलीसिया है।" हम यह कैसे हो सकते हैं? मसीह में मरने के द्वारा, उसकी रहस्यमयी देह में बपतिस्मा लेने के द्वारा, और परमेश्वर के पुत्र का प्रायश्चित का लहू वहां दिन की हर घड़ी उपस्थित होता है। "दोषरहित पाया," यह कलीसिया है, "बिना दाग, या बिना झुर्री के।" उसने हमें उसमें चुन लिया, और हमारे नामों को अपनी पुस्तक में लिख लिया।

बाईबल ने यह कहा, "यीशु मसीह घात किया हुआ मेमना... " उन्नीस सौ वर्षों पहले? कितनी दूर? "मेमना संसार के रचने से पहले घात किया गया।"

176 जब बाईबल में "परमेश्वर," उत्पत्ती में वचन, उत्पत्ती 1 में कहा, "आरम्भ में परमेश्वर ने... " *परमेश्वर* का नाम हिब्रू में लें, और देखें कि इसका क्या अर्थ है। इसका अक्षर विन्यास *एल, एल्लाह, एलोहिम,* जिसका अर्थ "वो सर्व, स्वयं से जो अस्तित्व है, वो एक सर्व–पर्याप्त, जो सशक्त है।" इसके पहले वहां कुछ नहीं था। कोई वायु नही थी। सितारे नहीं थे। कोई नमी नहीं थी। कोई नहीं—कोई वातावरण नहीं था। कोई परमाणु नहीं था। कोई अणु नहीं था। इससे पहले कुछ भी वहां नहीं था। वह परमेश्वर

था, वह एक जो अनंत है। और उसके अन्दर गुण थे, एक बचाने वाला होने का गुण, एक पिता होने का, परमेश्वर होने का। वहां, तब, वह परमेश्वर नहीं था। वह—वह परमेश्वर था, परंतु वहां पर कुछ भी और नहीं था, कोई आराधना नहीं। सो, *परमेश्वर* "आराधना की एक वस्तु है," और वहां कोई उसकी आराधना करने वाला नहीं था। इसलिए उसमें ऐसा होने के गुण थे, कि वो बचाने वाला हो, चंगा करने वाला हो, यह सारी चीजें जो वह है।

177 इसलिए पहली चीज को उसने रचा। अब आप में से कुछ मेरी उत्पत्ति की कथा को जानना चाहते हैं। परमेश्वर ने कहा, "आओ हम मनुष्य की उत्पत्ति करें।" पहली चीज जो उसने उत्पन्न की, वे स्वर्गदूत थे कि उसकी आराधना करें, तब वह परमेश्वर बना। फिर जब उसने कहा, "आओ हम मनुष्य को अपने स्वरूप में बनाए," उसने किस प्रकार का मनुष्य बनाया? आत्मिक मनुष्य। फिर, जब उसने वह मनुष्य बनाया, उसने उसे अधिकार दिया। तब उसने मनुष्य को धरती की मिट्टी से रचा। उसके बाद, वो गिर गया; तब वो एक बचाने वाला बन गया। एक परमेश्वर, फिर एक बचाने वाला। पाप ने बीमारी को लाया, तब वह चंगा करने वाला बन गया। हाल्लेलुय्या! तब कुछ भी गलत नहीं हो रहा था। वह इस विषय में सब जानता था, इससे पहले कि संसार को कभी रचा जाता। वह जानता था कि आज रात्रि यह सभा होगी। उसने किसी मच्छर को पृथ्वी पर होने से पहले जाना, और कितनी चर्बी को बनाएगा, और कितनी बार वह अपनी आंखों की पलक झपकेगा। वह असीमित परमेश्वर है। वह सारी बातें जानता है। आमीन। क्या आज रात आप आनंदित नहीं है कि आपका नाम पुस्तक में लिखा है?

मैं कितने सुन्दर विचार को सोच रहा हूं
एक बड़ी धब्बेदार चिड़िया के विषय में,
और वे कहते हैं कि उसका नाम लिखा हुआ है
परमेश्वर के पवित्र वचन के पन्नों पर।

दूसरी सारी चिड़ियाये है उसके चारों ओर जमा है,
वह उन सब के द्वारा तिरस्कृत हुई है।

178 वो धब्बेदार चिड़िया क्या थी? मैं उस व्यक्ति से भिन्न मत रखता हूं जिसने कहा कि यह गलत था। बाईबल की धब्बेदार चिड़िया क्या थी?

यह इस्राएल नहीं था, जैसे कि उन्होंने कहा यह था। यह यीशु मसीह की कलीसिया थी।

एक पाप–बलि के लिए, उन्होंने क्या किया? उन्होंने एक पिंडुकी को लिया, एक का सिर अलग कर दिया और उसे उल्टा कर दिया, और उसका लहू उसके साथी पर उड़ेल दिया, और उस साथी को स्वतंत्र कर दिया। और साथी मृत साथी के लहू से छिड़की हुई थी, धरती के उस पार गई, जब वह उड़ी तो उसका लहू धरती पर छिड़का। और लहू जो धरती पर गिरा, वह, चिल्लाया, "पवित्र, पवित्र, पवित्र, प्रभु के लिए! पवित्र, पवित्र, पवित्र, प्रभु के लिए!"

179 यह मसीह का एक प्रतीक था। और बड़ी लहू में छिड़की हुई चिड़िया कलीसिया है, जिस पर की उसके मृत साथी का लहू छिड़का हुआ है, वो बचाने वाला, यीशु मसीह। और आज वह संसार को अपने पंखों को मारते हुए पार कर रही है, चिल्ला रही है, "पवित्र, पवित्र, पवित्र, प्रभु के लिए!" आमीन! मैं बहुत आनंदित हूं कि मैं उसे जानता हूं। मैं बहुत आनंदित हूं कि मेरा नाम उस कलीसिया की पुस्तक में है, मेरी अच्छाई से यह वहां पर नहीं है; नहीं, श्रीमान, मैं वहां कभी नहीं होता, या आपकी अच्छाई से कभी नहीं होते। परंतु परमेश्वर की भलाई और अनुग्रह के द्वारा जगत की उत्पत्ति के पहले से हमारे नाम उसकी पुस्तक में लिखे हैं।

180 कलीसिया की पहचान क्या है? उसे क्या होना है? वह क्या थी? यह क्या है? बाहर निकाला गया झुंड।

किसने इसे व्यवस्थित किया? यीशु मसीह ने। बिशप ने नहीं, ना कैथोलिक, ना मैथोडिस्ट, ना लूथर, ना वैसली। नहीं, श्रीमान। किस ने इसे व्यवस्थित किया? यीशु मसीह ने।

इसका सन्देश क्या है? पश्चाताप, पानी का बपतिस्मा, पवित्र आत्मा का बपतिस्मा, दिव्य चंगाई, उद्धार।

हम इसके सदस्य कैसे बनते है? उसमें जन्म लेने के द्वारा।

क्या इसके बिना हम स्वर्ग में जा सकते हैं? नहीं, श्रीमान। "परंतु वे जो मसीह में मरे हैं परमेश्वर उसके साथ ले आएगा।" और किसी को नहीं— नहीं, परंतु वे जो मसीह में मरे हैं। यीशु उनके लिए आ रहा है जो मसीह में मरे है। इफिसियों 4 के अध्याय में, कहा गया कि... नहीं। गलतियों में, मैं विश्वास करता हूं कि यह 4था अध्याय है। यह कहा गया, "वे जो मसीह में

मरे हैं परमेश्वर उन्हें उसके साथ ले आएगा। वे जो मसीह में मरे हैं परमेश्वर उन्हें उसके साथ ले आएगा।"

181 अब, इसलिए, वह कलीसिया बाहर बुलाया गया झुंड है, एक रहस्यमयी देह। मसीह ने इसे क्रम में रखा। उसके मरने से पहले, उसने इस के आगमन की बात कही, उसने कहा, "मैं आऊंगा और इस राज्य में अधिकारी होऊंगा। अब थोड़ी देर पश्चात संसार मुझे ना देखेगा, परंतु तुम मुझे देखोगे। तुम्हारा संसार के राज्य से कोई लेना–देना नहीं है।"

182 यही कारण है कि वे ऐसी गड़बड़ी में हैं, जो "बाबुल" कहलाया। एक, "तो ठीक है, परमेश्वर का धन्यवाद हो, मैं प्रेसबीटेरियन हूं। परमेश्वर का धन्यवाद हो, मैं मैथोडिस्ट हूं। परमेश्वर का धन्यवाद, कि मैं... "

परमेश्वर का धन्यवाद हो, कि मैं मसीही हूं। आमीन। ऐसा ही है। मैं कैसे जानता हूं कि मैं हूं? "विश्वासी के यह चिन्ह होंगे।" समझे? यही आपका पहचान पत्र है। ऐसा नहीं कहते, "एक मिनट रुको, मैं विश्वास करता हूं कि मेरे पास मेरी संगति का कार्ड है।" नहीं। मेरे पास कोई नहीं है। मेरा वहां ऊपर है। इस वाले को मैं यहां नीचे खो सकता हूं। परंतु उसने मुझे बताया, "इससे पहले कि संसार आरंभ होता, " उसने मुझे मेरा परिचय पत्र दिया, प्रत्येक को जो इस राज्य में आता है। यह स्वर्ग में रखा है, इसलिए अभिलेख सीधा–सीधा है। मैं बहुत आनंदित हूं। मैं...

183 किसी ने कहा, "मैंने परमेश्वर को खोजा। मैंने परमेश्वर को खोजा।" यह बाईबल के विरुद्ध है। यह परमेश्वर तुम्हें खोजता है, आप परमेश्वर को नहीं खोज रहे हैं। परमेश्वर अदन की वाटिका में इधर–उधर गया, चिल्लाया, "आदम, तू कहां है? " आदम ने नहीं चिल्लाया कि, "परमेश्वर, तू कहां है? " यह परमेश्वर चिल्ला रहा है, "आदम, तू कहां है? "

184 ओह, मैं बहुत आनंदित हूं कि मैं उसका सदस्य हूं, क्या आप नहीं हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] मैं इस महान कलीसिया के लिए आनंदित हूं। मुझे खेद है कि मैंने आपको इतनी देर तक रुके रखा। परंतु क्या आप इस महान कलीसिया में विश्वास करते हैं? ["आमीन।"] क्या आप इसमें विश्वास करते हैं? ["आमीन।"] क्या आप विश्वास करते हैं यह रहस्यमयी देह हैं? ["आमीन।"]

185 अब, आप कैथोलिक लोगों, केवल एक चीज जो आपको इसका सदस्य बनने के लिए करनी है वह यह है कि यीशु मसीह को स्वीकार करें

और आत्मा से जन्म ले। आप बैपटिस्ट, आप मैथोडिस्ट, प्रेसबीटेरियन, लूथरन, आप जो भी है, इधर सुने। मत सोचे कि मैं आपको पेंटीकोस्टल के लिए ऊपर उठा रहा हूं। वे उतने ही पेंटीकोस्टल स्वधर्मत्यागी है जैसे कोई भी और दूसरी कलीसिया है। यह बिल्कुल ठीक बात है। वे अंदर केवल व्यवसाय और नाम के द्वारा आते हैं। ऐसा ही है। परंतु, उनके पास कुछ अधिकार नहीं है। यह ठीक बात है। क्योंकि, जब आप आत्मा से जन्म लेते हैं, तो आप एक नई सृष्टि हो जाते हैं, और परमेश्वर आपके साथ पुत्रों के समान व्यवहार करना आरंभ कर देता है, और आप परमेश्वर के आत्मा के चलाये चलते हैं। इससे कोई मतलब नहीं कि आप कौन सी संस्था के हैं, इससे कुछ नहीं... यह एक छोटा सा, पुराना सांसारिक व्यवहार है, जो कि समाप्त होने जा रहा है। परंतु क्या आप इस मसीह की महान रहस्यमयी देह के सदस्य हैं? यदि नहीं है, तो होने पाए आप उसे आज रात्रि ग्रहण करे, जब हम थोड़ी देर के लिए प्रार्थना के लिए अपने सिरों को झुकाते हैं।

186 जबकि हम अब यह सोच रहे हैं, क्या यहां कोई होगा जो अपने हाथ को ऊपर उठायेगा? और कहे: "परमेश्वर, मैं अपना हाथ आपकी ओर उठाता हूं, मुझे आज रात्रि उस कलीसिया का सदस्य बनाइये। मुझे वह जन्म दे, जो मुझ से संबंधित है। प्रभु, क्या आपने मुझे बुलाया है? तो फिर मैं इस कलीसिया का सदस्य होना चाहता हूं। मैं इन धरती की संस्थाओं में से हूं, परंतु मेरे पास अनुभव नहीं है। मेरे पास दुष्ट आत्मा निकालने की सामर्थ नहीं है और यह चीजें करने के लिए जैसा कि आपने कहा कि विश्वासी के द्वारा होंगी। मुझे अभी तक ऐसा नहीं पाया है, प्रभु। और आपने कहा, यह चिन्ह होंगे... (*होंगे* का अर्थ, 'आप करेंगे।') प्रभु, मुझे सामर्थ दे।"

187 परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे, और आपको, और आपको। आप सब जिन्होंने अपने हाथों को ऊपर उठाया हुआ है, परमेश्वर आपको आशीष दे और आपको वह सामर्थ दे कि इस महान कलीसिया के सदस्य हो जाएं, यीशु मसीह की कलीसिया। और कोई है, इससे पहले कि हम प्रार्थना करे? युवा महिला, परमेश्वर आपको आशीष दे। बहन, परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। जी हां, वहां पीछे मैं आपके हाथ देखता हूं। परमेश्वर आपको आशीष दे, यहां पर; पुत्र, मैं तुम्हारे हाथ को देखता हूं। भाई, आपके हाथों को यहाँ देखता हूं। जी हां। परमेश्वर आपको आशीष दे; और तुम, वहां एक छोटी, युवा लड़की। परमेश्वर तुम्हें आशीष दे। कोई और है, बस अपना हाथ

उठाएं। परमेश्वर इस बहन को आशीष दे, यहां जो बैठी है। "मैं सदस्य होना चाहता हूं। मैं उसका लहू अपने ऊपर लेना चाहता हूं, आज रात जैसे कि मैं इस भवन से बाहर जाता हूं, कि मैं बाहर जा सकूं और मेरा जीवन चिल्लाए, 'प्रभु के लिए पवित्र।'" पुत्र, पीछे तुम्हें परमेश्वर आशीष दे। परमेश्वर तुम्हें आशीष प्रदान करें। अब कोई और? अपना हाथ उठाए। कोई और कहेगा, "परमेश्वर, मुझ पर दयावंत हो"?

188 यदि आप वेदी पर प्रार्थना के लिए चलकर आने की इच्छा रखते है, जब हम इस गीत को गाते है:

घर आओ, घर आओ,
तुम जो थके हुए हो, घर आओ।

189 यदि आप अपनी स्थिति के विषय में अनिश्चित है, तो मैं आने के लिए आपको निमंत्रण देता हूं।

जब हम प्रार्थना करते हैं:

धीरे से और नम्रता से यीशु बुला रहा है,
तुम्हारे और मेरे लिए बुला रहा है,
देखें द्वारों पर वह प्रतीक्षा कर रहा है और देख रहा है,
आपके और मेरे लिए देख रहा हैं।

आओ... घर आओ,
हे जो थके हुये हो, घर आ जाओ;
आग्रहपूर्वक, कोमलता से, यीशु बुला रहा है,
बुला रहा है, हे पापी, घर आ जाओ!

आइये अब इसे गुनगुनाते हैं।

हम क्यों देर करें...

190 एक वृद्ध महिला प्रार्थना के लिए आगे आई है। क्या कोई और होगा जो आज रात चलकर आगे आएगा और प्रार्थना करना चाहेगा?

भले ही हमने पाप किया है, उसके पास करुणा और
क्षमा है,
आपके और मेरे लिए क्षमा है।

घर आओ, (घर आओ!) आओ...

191 आप छोटे बच्चो क्या आप बस थोड़ा सा नीचे इस ओर चले जायेंगे? छोटी लडकियां, सीधे यहाँ आ जाओ। थोड़ा उस तरफ नीचे जाये, पुत्र।

... जो थके हारे हैं, घर आ जाओ;
आग्रहपूर्वक, कोमलता से, यीशु बुला रहा है,
बुला रहा है, हे पापी, घर आ जाओ!

घर आओ, घर आ जाओ,
हे थके हुओं, घर आ जाओ;
आग्रहपूर्वक, कोमलता से, यीशु बुला रहा है,
बुला रहा है, हे पापी, आओ...

192 क्या होता यदि आपको पता होता, कि कल इस समय तक राष्ट्र को उड़ा दिया जाएगा? हम एक भयानक समय में जी रहे हैं। आप मसीह के बाहर, आज किसी भी चीज़ में आशा नहीं रख सकते। और आप क्यों विपदा में पड़ोगे, आप उस प्राण को क्यों विपदा में डालोगे जिसे परमेश्वर ने अपने ही पुत्र के लहू से खरीदा है? आप अपने जीवन को उसे क्यों नहीं देंगे? आप क्या खो सकते हैं? सब कुछ हासिल करना है।

193 आप कहते है, "खैर, मैं इसमें विश्वास नहीं करता।"

ठीक है, बाईबल ने कहा कि तुम मूर्ख हो। तुम क्यों करोगे... ? बाईबल में, उस धनी मनुष्य ने इस पर विश्वास नहीं किया। जब सूर्य अस्त हो रहा था, वह हँस रहा था और आनंदचित था; जब सूरज निकला, वह नरक में था। आप उस व्यक्ति की तरह क्यों मौका लेंगे? आप क्यों नहीं आकर, और अपना जीवन मसीह को नहीं दे देते? ऐसा हो... मैं आपको चेतावनी नहीं दे रहा हूं। मैं आपको डरा नहीं रहा हूं। मैं केवल आपके सामने सच्चाई को रख रहा हूं। यदि आप फिर से जन्म नहीं लेते हैं, तो आप इसे खो देंगे। आपके लिए जीवन कितना अच्छा रहा है? बस जैसे यह सब निराशाओं का एक ढेर है। आप आकर ऐसा कुछ तो क्यों नहीं ढूंढ़ते जो अनंत है? किसी ऐसी चीज़ को पकड़ें जो वास्तविक है।

194 जब हम फिर से गाते हैं, यहाँ तीन या चार लोग हैं। क्या आप भी नहीं आओगे, एक बार फिर से?

आग्रहपूर्वक, कोमलता से, यीशु बुला रहा है,
बुला रहा है, हे पापी, घर आ जाओ!

घर आओ, आओ...

यह आपका प्राण है। आप हो सकता है इसके बारे में फिर से कभी ऐसा महसूस नहीं करें।

तुम जो थके हारे हो घर आ जाओ; (हे, छोटे लड़कों, क्या आप सब यहाँ आओगे, यहाँ आओ, बस एक मिनट?)

आग्रहपूर्वक, कोमलता से...

यहाँ आओ, पुत्र... ? ...

... यीशु बुला रहा है,
बुला रहा है, हे पापी...

ठीक यहाँ पर आ जाओ, पुत्र।

... घर आओ!

घर आ जाओ...

क्या आप अपने मार्ग को नहीं बनाएंगे?

... घर,
तुम जो थके हुए हो, घर आ जाओ (यहाँ आओ, पुत्र। यहाँ आकर, मेरी कुर्सी पर बैठो... ? ... मेरी कुर्सी पर बैठो... ? ...)
... कोमलता से, यीशु बुला रहा है,
बुला रहा है, हे पापी, आओ...

195 मैं आपसे एक प्रश्न पूछना चाहता हूँ: क्या आप उसके साथ हैं? क्या आप उससे मुंह मोड़ने जा रहे हैं? क्या आप पिलातुस की तरह कहने जा रहे हैं, "मेरे लिए थोड़ा पानी लाओ, मैं इस सभा से हाथ धो लूंगा"? आप ऐसा नहीं कर सकते। यह आपके हाथ में है। यह न केवल आपके हाथों में है, यह आपके हृदय पर है। यह आपके विवेक पर है। आपको इसके साथ सारे जीवन भर रहना होगा। इसे धोने की कोशिश ना करें। आप वैसा करेंगे जैसा पिलातुस ने किया: तो किसी दिन आत्महत्या कर लेंगे, इसे अपने हाथ से हटाने की कोशिश करके। ऐसा ना करें। अब आ जाओ।

196 एक बार और। और जब हम बुला रहे हैं, कुछ लोगों को आने दो, भले मसीही भाइयों, आप में से कुछ सेवकगण इन लोगो के साथ हो। आप में

से कुछ बहनें जो जानती हैं लोगों से कैसे बात करना है, आकर घुटने टेके। बस उनके साथ प्रार्थना करें, उन्हें दिखाएं कि आप उनमें रुचि रखते हैं, जबकि हम अभी आ रहे हैं।

घर आओ, घर आ जाओ, (भाई नेविल, यदि आप
चाहें, तो सभा को जारी रखे।)
... थके हुए, घर आ जाओ;
आग्रहपूर्वक, कोमलता से, यीशु...
बुला रहा है, हे पापी, घर आ जाओ!

197 आइए हम सब अब प्रार्थना के लिए अपना सिर झुकाएँ... ? ... आइए अब, अपना सिर झुकाएं और प्रार्थना करें।

प्रभु, हम आपके लिए इन पश्चाताप करने वालो को लाते हैं। होने पाए आपकी आत्मा, प्रभु, उनके ह्रदय में आग पकड़ ले, उन्हें गहरी इच्छा दे, और बहुत कुछ दे, कि वे अपने उद्धारकर्ता यीशु मसीह को देख सके, जिसने उनके लिये लहू बहाया और मरा, कि उन्हें नयी सृष्टी बनाये। इसे प्रदान करे, प्रभु।

198 हम जानते हैं कि वचन ने हमें आप पर विश्वास करने का सही मार्ग दिया है। यह जानते हुए कि जो आते हैं, आप उन्हें किसी रीति से बाहर नही करेंगे। आपने एक प्रतिज्ञा की है। आपके प्रतिज्ञाये सच हैं: "वह जो मेरा वचन सुनता है, और उस पर विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है, उसके पास अनन्त जीवन है, और कभी भी दोषी नहीं ठहरेगा; परन्तु मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चूका है।"

199 युवा और बूढ़े, उन्हें समान रूप से, प्रभु, अपनी पवित्र आत्मा को दीजिये। इसे प्रदान करे, प्रभु। हम इसे यीशु के नाम में, और उसके लिए मांगते हैं।

... घर, घर आ जाओ,
तुम जो थके हुए हो... घर;
गंभीरतापूर्वक, कोमलता से, यीशु बुला रहा है,
बुला रहा है, हे पापी, घर आ जाओ!

अब हर एक जन प्रार्थना में रहे, बस कुछ क्षण। उन्हें अपना पाप अंगीकार करने दो...

जीवित परमेश्वर की सच्ची कलीसिया की पांच निश्चित पहचाने HIN60-0911E

(Five Definite Identifications Of The True Church Of The Living God)

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार शाम, 11 सितंबर, 1960 को ब्रंहम टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका, में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2023 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org